राज
कॉमिक्स विशेषांक
नो मैन्स लैण्ड
ध्रुव

azamworld.blogspot.com persent's

राज
कॉमिक्स विशेषांक
मूल्य 90.00 संख्या 2600
सर्वनायक वर्ष 2015
नो मैन्स लैण्ड
सुपर कमांडो ध्रुव
बालचरित
Jean

संस्थापक-राजकुमार गुप्ता, मनोज गुप्ता

©RAJ COMICS-HOME OF INDIAN SUPER HEROES 1986-2015.

तीन दशक मनोरंजन के।

©RAJA POCKET BOOKS

visit us at : www.rajcomics.com

"ऐसे नौ और बम तुम्हारे शिप के तल में चारों तरफ लगे हुए हैं।"
"इस धमाके से हुई क्षति की पूर्ति तो आराम से हो जाएगी, पर दूसरे बम जरा ज्यादा शक्तिशाली हैं।"
डिसआर्म, बाई्स! अपने हथियार नीचे कर लो!
हम शिप पर कोई आंच नहीं आने दे सकते। यह सैकड़ों कर्मचारियों की जिंदगी का सवाल है!
डरने की जरूरत नहीं है, कैप्टेन!
मैं ऐसी तकनीक पर भरोसा नहीं करता जो धोखा दे सकती है।
यह जरूर एक्सप्लोसिव्स को रेडियो सिग्नल से डेटोनेट कर रहा है।
हमने रेडियो सिग्नल जैमर एक्टिवेट कर दिया है।
अब यह कोई बम नहीं फोड़ सकता!
हर बम में टाईमर लगा है! जो पहले से एक्टीवेटेड है। टाईमर को एक्टीवेट होने की नहीं, डीएक्टीवेट होने की जरूरत है। अगर दस मिनट के अंदर उन एक्सप्लोसिव्स को सिग्नल नहीं मिले तो...

अगर यह सच कह रहा है तो हमें कमांडो फोर्स को रोकना होगा!
इसकी स्पीड बहुत तेज है और वार बहुत दमदार!
यस! पिटने की प्रैक्टिस के बावजूद हम ऐसे तीन से ज्यादा घूंसे नहीं झेल सकते!
...हमें किसी और चीज...
रुक जाओ! हम तुम्हें इस पर हमला करने नहीं दे सकते! और इसे कोरी धमकी मत समझ...
थैंक्स, यार! ऐसी ही किसी चीज की जरूरत थी!
वैसे हमें भी कौन सा लड़ते रहना है!
हमें तो सिर्फ शिप को राजनगर पोर्ट पर पहुंचने तक कंटेनर को संभालना है।

कोर्ट का ऑर्डर है, भई! और हम कानून-पालक नागरिक हैं! लॉ एबाइडिंग सिटीजेंस!
तो अब तुम मुझ पर हार्पून्स आजमाओगे?
हुम्म...कुछ वैसा ही!...
हार्पून्स का निशाना पीछे वाला कंटेनर था, वक्र नहीं।
हार्पून्स कंटेनर की चादर में घुसे और उनकी रस्सियों ने वक्र को लपेट लिया।
मानना पड़ेगा! हार्पून्स पॉवरफुल हैं। कंटेनर की दीवारों को छेद दिया!
और इसकी फुर्ती की स्पीड में ब्रेक लगा दिए!
रस्सियां मजबूत तो हैं न? वैसे तो ये शार्क और व्हेल तक की ताकत का मुकाबला कर सकतीं हैं।

पर मेरी नहीं!
हाऽऽऽ! वक्र कभी बंधता नहीं!...

...बांधता है। पालतू बनता नहीं, बनाता है।
कमांडो फोर्स अपने कैप्टेन के आदेश के लिए अपनी जान दांव पर लगा रही थी।...

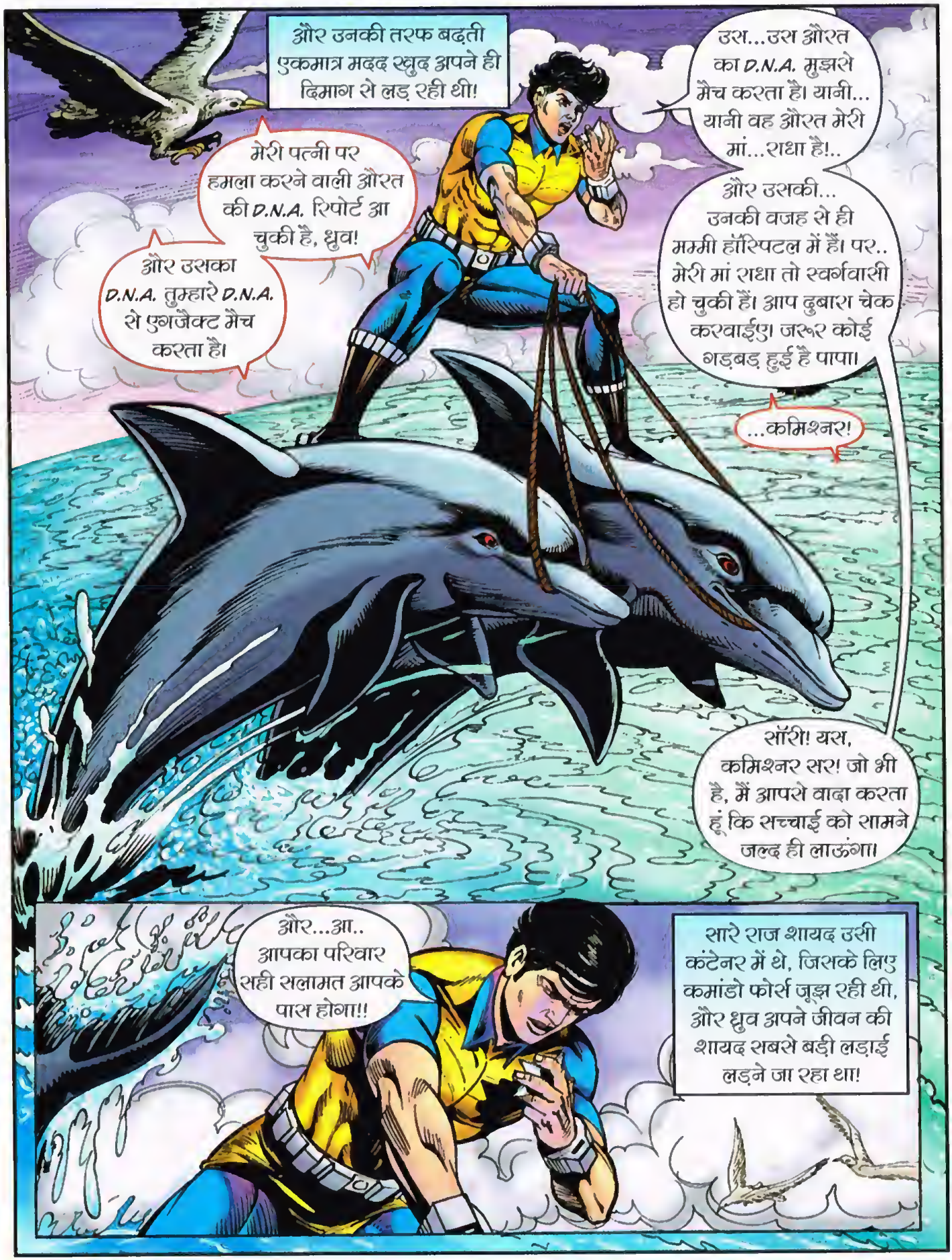
और उनकी तरफ बढ़ती एकमात्र मदद खुद अपने ही दिमाग से लड़ रही थी!
मेरी पत्नी पर हमला करने वाली औरत की D.N.A. रिपोर्ट आ चुकी है, ध्रुव!
और उसका D.N.A. तुम्हारे D.N.A. से एग्जैक्ट मैच करता है।
उस...उस औरत का D.N.A. मुझसे मैच करता है। यानी... यानी वह औरत मेरी मां...राधा है!..
और उसकी... उनकी वजह से ही मम्मी हॉस्पिटल में हैं। पर.. मेरी मां राधा तो स्वर्गवासी हो चुकी हैं। आप दुबारा चेक करवाईए। जरूर कोई गड़बड़ हुई है पापा।
...कमिश्नर!
सॉरी! यस, कमिश्नर सर! जो भी है, मैं आपसे वादा करता हूं कि सच्चाई को सामने जल्द ही लाऊंगा।
और...आ.. आपका परिवार सही सलामत आपके पास होगा!!
सारे राज शायद उसी कंटेनर में थे, जिसके लिए कमांडो फोर्स जूझ रही थी, और ध्रुव अपने जीवन की शायद सबसे बड़ी लड़ाई लड़ने जा रहा था!

पर कंटेनर का मालिकाना हक तो किसी और के ही पास था।
यह पहली तस्वीर ड्रोन के अटैक की है। और दूसरी पिक हमारे अभी भेजे गए दूसरे सर्विलेंस ड्रोन की है। देखिए, फाइटर ड्रोन फट चुका है।
पर न गुरिल्ले का पता है और न बूढ़े जैकब का!
अगर बच भी गया हो तो ज्यादा देर तक बचेगा नहीं। उसे तो आप मरा हुआ ही समझें।
अब आदेश दें तो सर्विलेंस ड्रोन को वापस बुला लें?
नहीं!
बिना लाश देखे हम भरोसा नहीं कर सकते!
ओ! तुम कहां रह गई थी? मुझे...चिंता होने लगी थी!

ऐसे खा रहा है। जैसे जिंदगी में पहली बार खा रहा हो! वैसे अब हमें मास्क लगाने की जरूरत नहीं है।
...क्योंकि अब तो जैकब यहां से जा चुका है।
मुझे मेरी चिंता करने वाले पसंद नहीं! खैर! वह कहां है?
आराम से है?
बगल के कमरे में है!
मैं भी यही चाहती हूं।

तुम्हारा चेहरा देखना।
हालांकि अंदाजा तो मुझे हो गया है कि तुम कौन हो, पर खेलना है तो...

खुलकर खेलो!
अक्!

पहचानती तो शायद मैं भी हूं तुम्हें! लेकिन बेहतर होगा कि अपना चेहरा तुम खुद दिखाओ। वैसे भी, ये चेहरा मुझे सिर्फ एक शख्स से छुपाना था।

जैकब से? ताकि वह तुम्हें पहचान न ले!
यही है न जैकब का बेटा! जुपिटर सर्कस का कोर्ट वाला वारिस!
इसके जरिए दांव खेला था न तुमने ध्रुव पर? इसके खाने में मैंने जहर मिला दिया था।

अब बताओ, अगर यह मर गया तो कंटेनर किसका? और ध्रुव की संपत्ति किसकी?
तुम अपनी फिक्र करो!
क्योंकि पांच सेकेंड बाद इसी चादर में तुम्हारी लाश भी लिपटी हो सकती है।
हम्म्! दो-दो लाशें एक साथ संभालना तुम्हारे लिए मुश्किल होगा।
मैं मुश्किलें खड़ी करना नहीं चाहती।
मास्क हटा लो। मुझे तुम्हारा माथे में गोली के छेद वाला चेहरा शायद पसंद नहीं आएगा!

और मुझे इस गन का चेहरा पसंद नहीं।
अब तक तो मैं तुम्हें बातों से शांत करने की कोशिश में थी।
पर जब तुम अपना कफन लेकर खुद ही चल रही हो तो मुझे तेरी अर्थी उठाने की चिंता क्यों हो?
सुनो! इससे मैं निपट लूंगी! तुम स्टोन को तुरंत मेडिकल सेक्शन में लेकर जाओ। यह मरना नहीं चाहिए...
चाहे और कोई भी मर जाए!
अब चादर यहीं रहेगी! बाहर निकलेगी, सिर्फ तू...
वहां सिर्फ चादर ही है...

...नताशा!
गुड ट्रिक...
पीठ में छुरा घोंपने की क्या जरूरत थी!
पर तुम तो मौत के करीब थी। I.C.U. में! यहां मरने कैसे चली आई?
...श्वेता!
तुम्हें तो मैं अस्पताल की सफेद चादर देखते ही पहचान गई थी।
और तुम्हें मैं यहां की सुरक्षा व्यवस्था देख-कर! हालांकि तुम्हारे यहां मिलने की उम्मीद नहीं थी मुझे!
ध्रुव की प्रॉपर्टी पर कब्जा करने की इतनी ही जल्दी थी तो शादी कर लेती।
डॉक्टर कुछ ज्यादा ही बोल रहे थे।
खून की कमी थी बस! तुम्हारा पाकर पूरा कर लूंगी।

और कोर्ट ने स्टोन को पुलिस सुरक्षा दी हुई है इसी-लिए उसका G.P.S. पुलिस निगरानी में है।
वहीं से खबर ली और आ गई यहां! चुपचाप
अगर तुम्हें कुछ चाहिए था तो ध्रुव से ऐसे ही मांग लेती। दे देता वह!
ध्रुव तो बेकार बीच में फंस गया। जैकब.. हफ.. ने उसे कंटेनर नहीं उसका ताबूत भेजा है!
हमें यह गुप्त खबर मिली थी कि कातिलों का प्राचीन और गुप्त संगठन हफ्...हंटर्स...मॉरिशस में मौजूद जैकब को जुपिटर सर्कस का पुराना बचा सामान खरीदने के लिए ढूंढ रहा है!।
कातिलों का संगठन है या OLX! हम्फ्!
तो यह जानकर तुम जल मरे और...
नहीं! उस सामान में एक ऐसा गुप्त फार्मूला छुपा है जो हंटर्स को अजेय बना देता!..हफ्...!
अजेय का मतलब...बाकी सारे... हमारे जैसे संगठनों का... सफाया!!
जो उनका रास्ता रोक सकते हैं! एक ही तरीका था! उस सामान को हंटर्स के बदले अपने कब्जे में लेना!...
'मैं' खुद मॉरीशस गई! पर तब तक जैकब का भाई, हंटर्स की कड़ी पूछताछ को सह न पाने के कारण हार्ट अटैक का शिकार हो चुका था! हालांकि जैकब को डराने के लिए इसका श्रेय हमने ले लिया।

वह घटनाक्रम जैकब के तोते काकातुआ ने देखा था!
"जैकब की किस्मत अच्छी थी कि वह उस वक्त किसी काम से घर से दूर गया हुआ था।"
"हंटर्स, काकातुआ की क्षमताओं से अंजान थे पर हम नहीं। हंटर्स उस घर के आसपास पुराने सामान को तलाशते रह गए और हम काकातुआ का पीछा करते-करते जैकब तक पहुंच गए!
"पर बस एक घंटे की देरी से!
"उतनी देर में काकातुआ ने जैकब को सारी खबर दे दी थी। और जैकब ने एक कंटेनर में रखे उस सारे पुराने सामान को फोन के जरिए ही ध्रुव के पते पर भिजवा दिया था।"
"मॉरीशस से हर दिन भारत के लिए हजारों कंटेनर चलते हैं। हमें उस कंटेनर का नंबर चाहिए था।"
"जो जैकब की जुबान पर तो नहीं था पर उसके दिमाग में था!"
"हम हंटर्स के जैकब तक पहुंचने से पहले जैकब को उड़ा लाए, और यहां, जंगल के बीच लाकर उससे तब तक उस कंटेनर का पता जानने की कोशिश करते रहे।..."

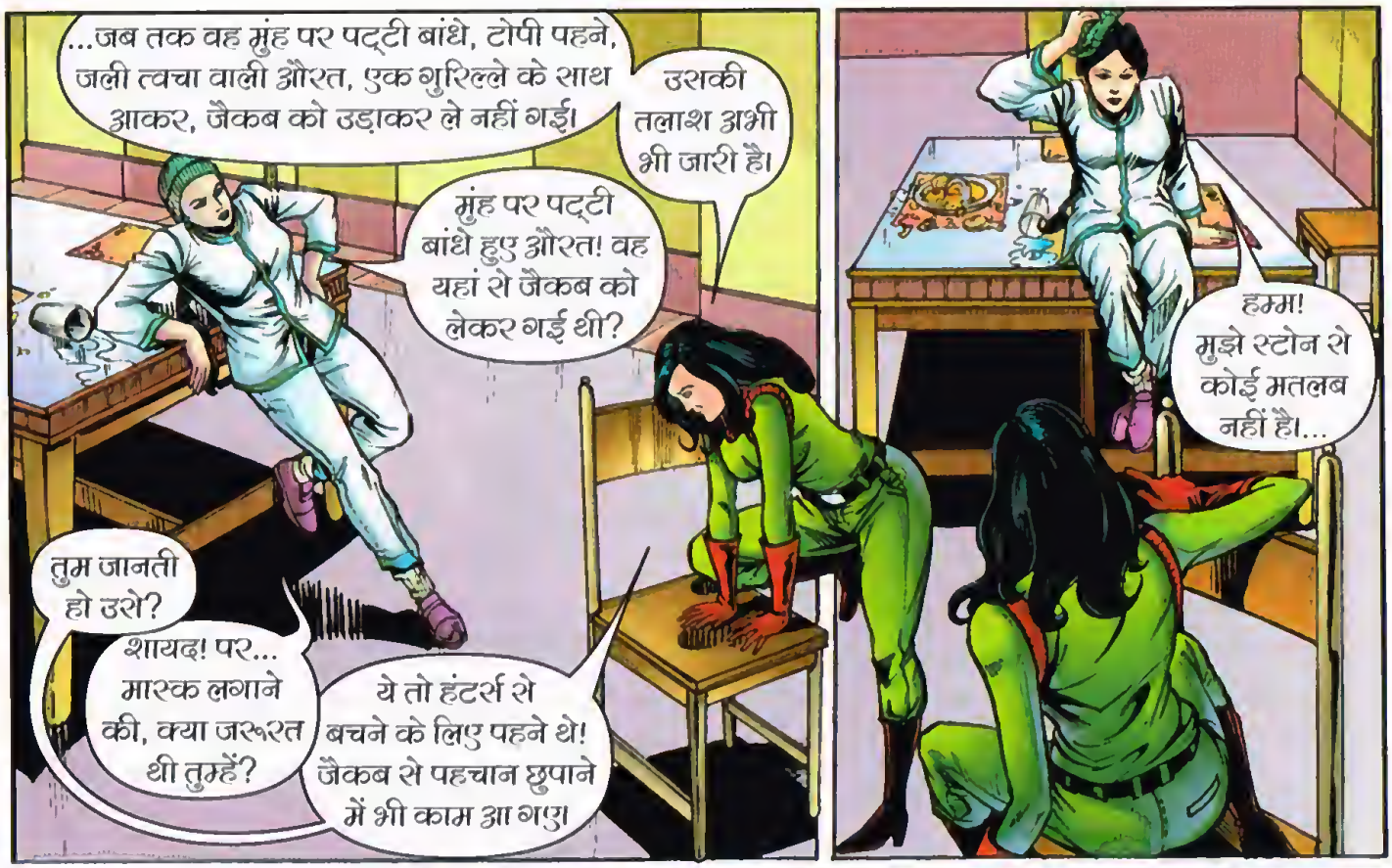
...जब तक वह मुंह पर पट्टी बांधे, टोपी पहने, जली त्वचा वाली औरत, एक गुरिल्ले के साथ आकर, जैकब को उड़ाकर ले नहीं गई।
उसकी तलाश अभी भी जारी है।
मुंह पर पट्टी बांधे हुए औरत! वह यहां से जैकब को लेकर गई थी?
हम्म! मुझे स्टोन से कोई मतलब नहीं है...
तुम जानती हो उसे?
शायद! पर... मास्क लगाने की, क्या जरूरत थी तुम्हें?
ये तो हंटर्स से बचने के लिए पहने थे! जैकब से पहचान छुपाने में भी काम आ गए।

वह ध्रुव और जुपिटर सर्कस का मामला है। ध्रुव खुद निपट लेगा! उनसे भी और तुमसे भी!
मुझे उस पट्टी वाली औरत के बारे में जानना है...
मुझे उसके छः फ्रैक्चर करने हैं!
क्यों? वह तुमसे कब टकरा गई?
मुझसे नहीं, मम्मी से! और अभी मम्मी उसके कारण हुए एक्सीडेंट में तीन फ्रैक्चर करवा कर अस्पताल में भर्ती हैं!
और D.N.A. टेस्ट तथा मम्मी के बयान के अनुसार वह औरत ध्रुव की मां राधा है।
क्या?
तुमने सही सुना नताशा!

व्हाट? यह कैसे संभव है? वे तो जुपिटर सर्कस की आग में जल गई थीं! एक मिनट! वह गुरिल्ला ट्रेंड था। शायद सर्कस का। और वे जैकब अंकल को बचाने आई थीं जैसे उनकी दोस्त हो।
यह सब तो उन पर फिट होता है। सच जैकब अंकल जानते होंगे!
जैकब के बेटे स्टोन को।
लेकिन अगर जैकब अंकल जिंदा हैं तो उन पर प्रेशर डालने वाले शख्स को तो तुमने अधमरा कर दिया है।
ओरल एनेस्थीसिया दिया है उसे! घबराओ मत, वह होश में आ जाएगा!
रोबो उसे ले गया है न!
वह डैड नहीं है! विक्टर है।
मेरा सबसे विश्वासपात्र सेवक! मेरे बाद सारे राज यही जानता है।
तो रोबो कहां है?
लाइफ सपोर्ट सिस्टम पर! क्लीनिकली डेड! अब सिर्फ चमत्कार ही उन्हें बचा सकता है!

बस एक बार वह कंटेनर हमारे हाथ आ जाए...
कंटेनर... तो गया!!
द्विवेदी! क्या हुआ?
य...यह कौन है? इसके सामने...?
यह श्वेता है! ...सुपर कमांडो ध्रुव की बहन!
हम्म्! बहन!! ध्रुव की बहन! सुना तो है आप दोनों की दोस्ती के बारे में।
लेकिन खबर अच्छी नहीं है। कंटेनर शिप पर अटैक हुआ है।
"रिपोर्ट्स आई हैं कि कोई रहस्यमय शख्स उसे शिप से उठाकर ले जा रहा है।"
ओफ्! हंटर्स हमसे पहले वहां पहुंच गए। हमारा यह मानना गलत निकला कि वे पुलिस के सामने नहीं आएंगे!
हमने भी भेद खुलने के डर से पुलिस और वकील के साथ अपना कोई आदमी नहीं भेजा। फिलहाल हम कुछ नहीं कर सकते!

"...सिवाय उस कंटेनर पर नजर रखने के! सेटेलाईट से नजर रखो उस पर! और उम्मीद करो कि राजनगर पोर्ट पहुंचने तक कमांडो फोर्स इसे उलझाए रखे!"
एक ब्रेकिंग न्यूज अभी-अभी आई है। कमिश्नर राजन की बेटी हॉस्पिटल के आई.सी.यू. से लापता है! अस्पताल में हडकंप मचा हुआ है।
मुझे जाना होगा वर्ना कहीं पुलिस भी स्टोन के G.P.S. के जरिए यहां की तलाशी लेने न आ धमके।

तुम चिंता मत करो, श्वेता! स्टोन को यहां से दूर भेजा जा चुका है और आधे घंटे के अंदर हम राजनगर का यह हेडक्वार्टर भी खाली कर देंगे।
"हुम्म! काफी तेज है ट्विस्टी! यह विक्टर की जगह ले सकती है, नताशा! चलती हूं! अस्पताल में सरेंडर करने..."
"मुझे तुम्हारे मैसेज का इंतजार रहेगा! और कंटेनर की चिंता मत करना।"
"वह जो कोई भी है।"

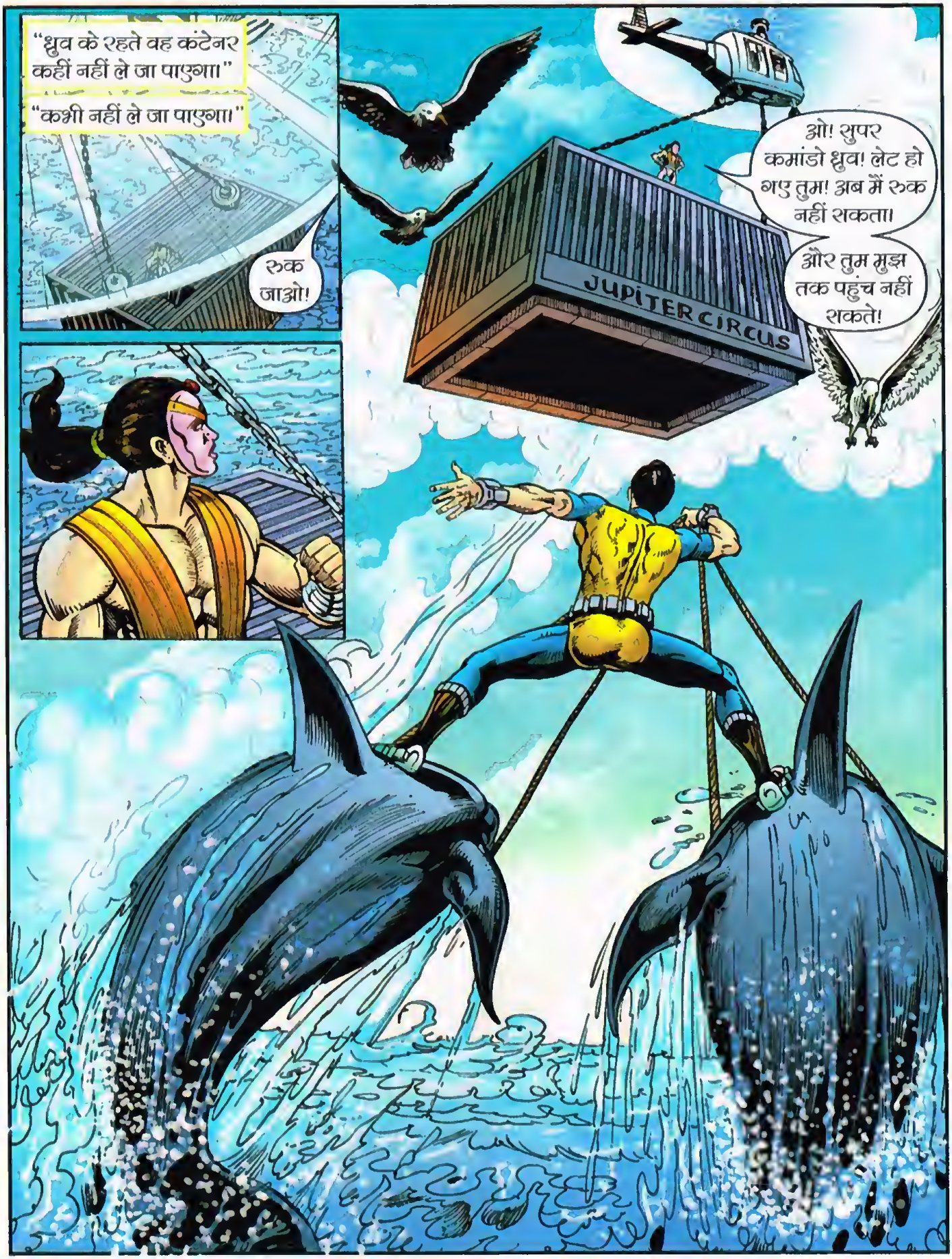
"ध्रुव के रहते वह कंटेनर कहीं नहीं ले जा पाएगा।"
"कभी नहीं ले जा पाएगा।"
रुक जाओ!
JUPITER CIRCUS
ओ! सुपर कमांडो ध्रुव! लेट हो गए तुम! अब मैं रुक नहीं सकता।
और तुम मुझ तक पहुंच नहीं सकते!

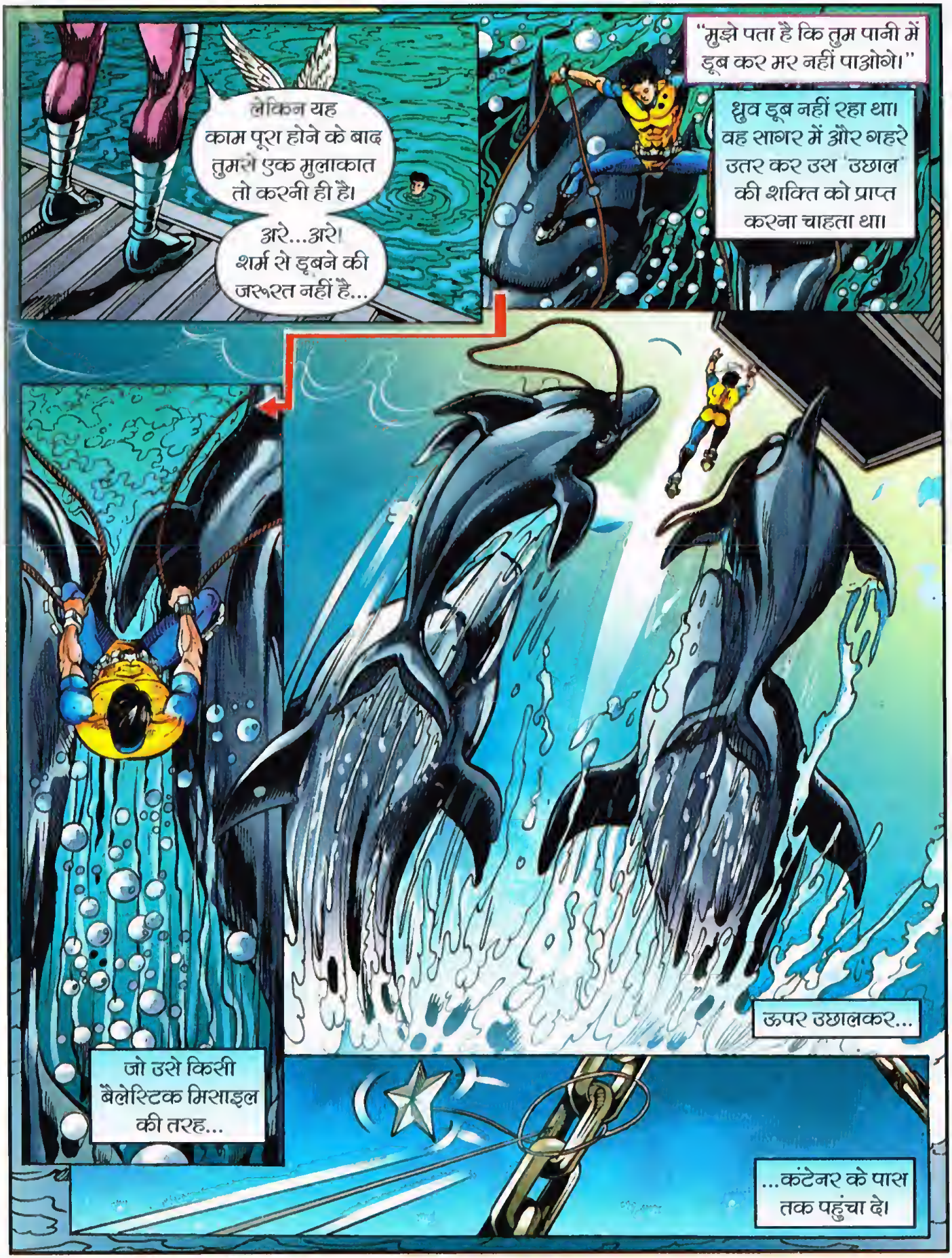
"मुझे पता है कि तुम पानी में डूब कर मर नहीं पाओगे।"
ध्रुव डूब नहीं रहा था। वह सागर में और गहरे उतर कर उस 'उछाल' की शक्ति को प्राप्त करना चाहता था।
लेकिन यह काम पूरा होने के बाद तुमसे एक मुलाकात तो करनी ही है।
अरे...अरे! शर्म से डूबने की जरूरत नहीं है...
ऊपर उछालकर...
जो उसे किसी बैलेस्टिक मिसाइल की तरह...
...कंटेनर के पास तक पहुंचा दे।

ताकि उसकी किक वक्र के जबड़े से संपर्क बना सके।
आऊऽऽऽऽ! शाबाश! मुझे तुमसे इससे कम की उम्मीद नहीं थी! अच्छा हुआ कि तुम आ गए। वर्ना यह काम अटका रह जाता!

तुम्हारा काम तमाम करने का काम!
आऽऽऽह! तुम हो कौन? हंटर्स का जुपिटर सर्कस से क्या संबंध है? और... कमांडो फोर्स कहां है? शिप पर?
तुम्हारी कमांडो फोर्स है तो वेल ट्रेन्ड। कंटेनर पर चढ़कर मेरे साथ यहां तक तो आए थे।
लेकिन कहां-कहां गिरे, इसका ध्यान नहीं मुझे!
वे वेल ट्रेन्ड हैं। उनकी मुझे चिंता नहीं है।
समुद्र में गिरे हैं तो भी डॉल्फिनें बचा लेंगी उन्हें!
उन्होंने अपना काम बखूबी पूरा किया है! उनका काम तुमसे निपटना नहीं, तुम्हें मेरे आने तक रोके रखना था!
मुझे रोके रखना? हाहाहा! यह कंटेनर अब शिप पर नहीं है। मेरे हेलीकॉप्टर से लटका है और अब यह मेरे साथ जा रहा है। इसे रोके रखना नहीं कहते!

यह भी सच है कि अभी मैं इस कंटेनर पर खड़ा हूं!
ऐसा क्या है इस कंटेनर में जिसके लिए तुमने पुलिस तक पर हमला कर दिया?
कमांडो फोर्स से भिड़ गए! और अब मेरा सामना करने को तैयार हो?
जो भी है, फिलहाल मुझे दिखा नहीं है। और मैं इस कंटेनर का 80% सामान अपनी एक्स रे फिल्टर के जरिए जांच चुका हूं!

अब बाकी 20% के लिए क्यों अपनी जान दांव पर लगाना चाहते हो?
क्या पता इसमें कुछ न मिले और तुम्हारी जान भी चली जाए!
मैं जान लेने-देने के धंधे में नहीं हूं! मैं बस इतना जानता हूं कि किसी ने मुझ पर विश्वास करके यह कंटेनर मुझे भेजा है, और यह कंटेनर और इसका सामान मेरे पास उसकी अमानत है!

कंटेनर तो तुम कहीं ले नहीं जा सकते! पर मेरे हाथों मार खाने से एक बात बताकर बच सकते हो।
वह औरत कौन है जिसने जैकब को राजनगर जंगल वाले तुम्हारे अड्डों में छुपा-कर रखा था!
क्या? वहां! तो... जैकब वहां था!

यानि जैकब अब तुम्हारे पास है।
अगर मेरी तलाश इस बचे सामान की तलाशी से पूरी नहीं हुई, तो मुझे उसी की जरूरत पड़ेगी!
यानी अब मुझे तुम्हारी जरूरत होगी!
आऽऽह! करीम ने सही कहा था। इसके ज्यूजुत्सू के वार तो एकदम नए हैं। और उनमें गजब की शक्ति है। सही जगह पर पड़ा एक वार ही मुझे अपंग बनाने को काफी है।
मुझे अपने पूरे अनुभव, पूरी फुर्ती और पूरी कुशलता को समेटना पड़ेगा!
तभी मैं इस पर काबू पाने की सोच सकता हूं!
ध्रुव के दिमाग जैसे ख्याल ही वक्र के दिमाग में भी चल रहे थे।
ध्रुव के बारे में जो भी सुना था वह गलत नहीं था बल्कि कम ही था।
अगर अभी से मैंने ब्रह्मास्त्र का प्रयोग नहीं किया तो बाजी पलट जाएगी!...

बस! अब तेरी उल्टी गिनती शुरू!
गिलीगिली याद है न, ध्रुव? तुझसे मात तो खा गया था, पर तेरे दिमाग में वह वशीकरण बैठा गया...
जिसे मैं जब चाहे तब सक्रिय कर सकता हूं! और जानता है कि वह वशीकरण क्या है?
क... क्या है? मेरा सिर हल्का सा होता जा रहा है! मैं कुछ भूल रहा हूं!
तू अपनी सभी युद्ध कलाएं भूल रहा है। यही है वह वशीकरण।
वशीकरण ने तेरे दिमाग के उन सभी सक्रिय केन्द्रों को बंद कर दिया है जो तेरी युद्धकला को सहेजे हुए हैं।

आह! मुझे कोई दांव याद नहीं आ रहा है। मेरे शरीर की फुर्ती पर लगाम लग गई है!!
और इसके वार मेरी हड्डियां कड़का रहे हैं।
मुझे संभलने..का वक्त चाहिए! जो यह देगा नहीं। आssssह।
मुझे मदद लेनी होगी।
तू जरूर मदद की सोच रहा है। यानी चिड़ियों को बुलाएगा तू! बुला। जब तक वे कुछ कर पाएंगी, मैं अपने ठिकाने पर पहुंच चुका होऊंगा।
चींची चिचिंsss! चींपचींपsss!
"दूसरी दिशा में जाते ही ये रोटर मोटर की तरफ लपक रही हैं। अगर इनमें से एक भी चिड़िया मोटर से फंस गई तो हेलीकॉप्टर यहीं गिर जाएगा!"
अगले ही पल-
वक्र! य... ये सीगल हमलावर हो रही हैं। य... ये मुझे राजनगर पोर्ट की तरफ धकेलने की कोशिश कर रही हैं!
हुम्म! इन्हें रोकने का एक ही तरीका है...

...उन्हें आदेश देने वाली जबान को खामोश कर देना।
इसके साथ वे भी खामोश हो जाएंगी।
तेरा कोई भी दांव अब मुझ पर नहीं चलेगा, ध्रुव! अगर इस युद्ध में बने रहना है तो हर्कुलिस ने जो सिखाया है, उससे अलग हटकर कोई दांव सोच।
आऽऽह! मेरा...मेरा दिमाग...
गिलीगिली का वशीकरण ध्रुव के जागृत मस्तिष्क के हिस्सों को सुलाने के साथ-साथ...
...अंजाने में उसके सुप्त मस्तिष्क में बसी यादों को झकझोरने का काम भी कर रहा था।
यह कलारिपयाट्टु है, ध्रुव! केरल की प्राचीन युद्धकला। जूडो, कराटे, कुंग फू और ज्यूजुत्सू से भी दो कदम आगे!
इसीलिए इसके वार को सिर्फ यही कला काट सकती है। ये दर्द भी है और दवा भी।

"...इसका प्रयोग तुम सिर्फ आत्मरक्षा में करोगे।"
"दूसरे पर हमला करने या चोट पहुंचाने के लिए कभी नहीं!"
अब जैसे तुमने डॉल्फिनों से बात करने की कला फटाफट सीख ली है, वैसे ही कलारिपयाट्टू में भी सिद्धहस्त हो जाओ।
तुम्हारा सर्कस यहां ज्यादा दिनों तक नहीं रुकेगा। पर याद रहे...

यह तो... यह तो कलारिपयाट्टू का दांव है। केरलाई मार्शल आर्ट का!
पर तू...तू तो सारी युद्ध कला भूल गया था! फिर तूने मेरा वार कैसे रोका?
तुमने कहा था न कि हर्कुलिस की विद्या से अलग हट कर सोचो।
तो यह मुझे हर्कुलिस ने नहीं सिखाया।
और यह गुप्तकला वह पहली युद्ध विद्या है जो मुझे सिखाई गई थी।
आ, वार कर मुझ पर! दिखा मुझे अपना कलारिपयाट्टू कौशल!
वक्र के तीखे वार ध्रुव के शरीर पर ओलों की तरह बरसने लगे।

और ध्रुव अपनी याददाश्त का एक-एक कतरा जोड़कर उन वारों को बचाने का प्रयास करने लगा।
ज्यादा देर तक नहीं लड़ना है मुझे! हेलीकॉप्टर अब राजनगर तट की तरफ जा रहा है!
वहां तक पहुंचना ही मेरा एकमात्र लक्ष्य है! और अगर मैं ऐसा न कर पाया तो प्लान बी, है मेरे पास।
मेरे आदेश पर ये पक्षी 'बर्ड-हिट' से तुम्हारे हेलीकॉप्टर को ही गिरा देंगे! फिर यह कंटेनर यहां से आगे नहीं जाएगा! समुद्र में समा जाएगा। और बाद में निकाल लिया...
ऐसी गलती मत करना! तुम पानी में सांस ले सकते हो लेकिन तुम्हारी कमांडो फोर्स नहीं!
वे इसी कंटेनर के अंदर हैं! बेहोश!
व्हाट?
तब तो यह कंटेनर किसी हालत में कहीं-नहीं जाएगा।

अब चाहे मुझे कैडेट्स को बचाने के लिए कलारिपयाट्टू के नियमों को तोड़ना पड़े...
...या तुम्हारी हड्डियां!
ध्रुव मुकाबला तो जोरदार कर रहा था! लेकिन वह उतनी तैयारी के साथ नहीं आया था...
...जितनी तैयारी के साथ वक्र आया था।
शुक्र मनाओ कि मैं कलारिपयाट्टू की खासियत लचीली तलवार नहीं लाया, वर्ना एक ही वार से तुम्हारे तीन टुकड़े हो चुके होते।
स्व रा ज

यह सही कर रहा है। यह कलारिपयाट्टू में सिद्धहस्त है और मुझे न तो पूरे दांव याद हैं और ना ही मैं प्रैक्टिस में हूं।
लेकिन हर लड़ाई के कुछ बुनियादी नियम तो होते ही हैं।

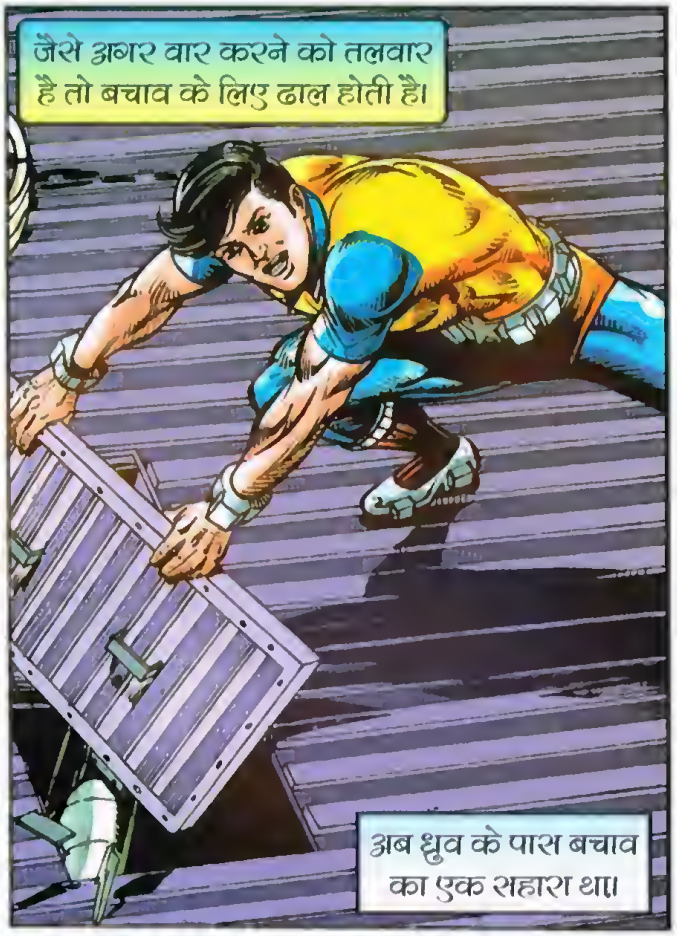
जैसे अगर वार करने को तलवार है तो बचाव के लिए ढाल होती है।
अब ध्रुव के पास बचाव का एक सहारा था।

और वह बचाव द्वारा मिली राहत को तेजी से आक्रमण में बदल रहा था।
ध्रुव को अगर कलारिपयाट्टू का अनुभव कम था।

तो भी उसके शरीर के 'रिफ्लेक्स एक्शन' बिना दिमाग की मदद लिए...

टेजर-हाई वोल्टेज बिजली का झटका देने वाले पोर्टेबल यंत्र!

पर नुकसान तो हो चुका था...
तेज झटके ने ध्रुव में कलारिपयाट्टु की युद्धकला भी भुला दी थी।
और ध्रुव के शरीर में, बिजली की हाई वोल्टेज लहर दौड़ गई! उसके दिमाग का हर एक न्यूरॉन अतिरिक्त ऊर्जा से भर गया।
हर कोशिका में मौजूद याददाश्त हिल गई। परंतु शरीर हवा में होने के कारण यह तेज झटका घातक सिद्ध नहीं हुआ।
इतनी जल्दी वहां तक कोई मदद पहुंचाना भी संभव नहीं है। डैड की आखिरी उम्मीद है वह फॉर्मूला! तुमने ही वह मेल हैक की थी न जिसमें साफ लिखा था कि....
नताशा! सेटेलाइट से अच्छी खबर नहीं आ रही है। ध्रुव अपने प्रतिद्वंद्वी का मुकाबला नहीं कर पा रहा है।
MOVERS
व्हाट? यह... यह असंभव है।
ध्रुव अगर हार गया तो कंटेनर हमारे हाथ से निकल जाएगा। ऐसा हुआ तो समझो कि हम सब हार गए!

वह विलयन हर कोशिका को निरोग और स्वस्थ कर देता है! और अपने खोल में लपेट कर उसे अदृश्य...
ओ! ओ...नो! य... यह नहीं हो सकता!! य...यह मैसेज...
क्या नहीं हो सकता? ऐसा क्या अनर्थ हो गया?
हमारे नए I.C.U. से डॉक्टर स्लीज का मैसेज है!
"यानि..."
यस, मम! ही इज...डेड! ग्रैंडमास्टर रोबो अब नहीं रहे।
ग्रैंडमास्टर की सारी बॉयो लॉजिकल एक्टिविटीज बंद हो गई हैं! अब वे मशीन के सहारे भी रेस्पांड नहीं कर रहे हैं।
रिवाइवल?
जीरो परसेंट!
य...यह नहीं हो सकता। हम इतनी दूर आकर फेल नहीं हो सकते!
सब...सब खत्म हो गया! अब...इस मिशन का कोई फायदा नहीं है। कोई नहीं।

नताशा, संभालो खुद को। तुम्हें शॉक लगा है।

शॉक तो अचानक लगता है, दिवस्टी! मैं तो महीनों से डैड को इसी हाल में देख रही हूं। शॉक नहीं, अफसोस लगा। अब वह चीज मिल भी जाए तो क्या फायदा?
फायदा? अपनी आंखों के सामने खाक होते देख सकोगी तुम उस साम्राज्य को, जिसे तुम्हारे पिता ने ईंट-ईंट करके जोड़ा है। एक-एक अपराधी को सर्कस के जानवर की तरह साधा है।

और अगर तुमने इस वक्त कंटेनर को छोड़ दिया तो वह रहस्य हंटर्स के हाथ लग जाएगा।
और उसके बाद रोबो का साम्राज्य उनके सामने टिक नहीं पाएगा!
अगर तुम चाहती हो कि यह साम्राज्य बना रहे, तो तुम्हें हंटर्स का रास्ता रोकना ही होगा!

ठीक कहा तूने। वर्ना रोबो के साथ-साथ उसके सारे सपने और हम सब भी मारे जाएंगे।

लेकिन पहले हमें ध्रुव तक पहुंचना होगा!
विक्टर! फाईटर हेलीकॉप्टर में हमारे आदमी भेजने का इंतजाम करो।
"वर्ना एक नहीं, दो अंतयेष्टियां एक साथ होंगी!"
"पर क्या समय रहते हम वहां तक पहुंच पाएंगे।"
आऽऽऽह! मेरे दिमाग में अब कोई दांव नहीं आ रहा है।
उस युद्ध कला का भी! कारिया..अ.. नाम तक क्यों याद नहीं आ रहा है मुझे!
वक्र के अमानवीय ताकत से भरे वार ध्रुव की हड्डियों को कमबख्त तरीके से तोड़ रहे थे।
और ध्रुव बचाव के लिए अंगुली तक नहीं उठा पा रहा था।
क्योंकि उसकी अंगुलियां भी तोड़ दी गई थीं।
इयाााह!
कड़ कड़ कड़क कड़

और ध्रुव की जान, मौत की तरफ मुड़ रही थी!
तू तो उसी वक्त खत्म हो गया था, ध्रुव! जब तूने गिलीगिली का सामना किया था!
गुड जॉब, बॉस!
चिड़ियाएं घबराकर अब हमारा रास्ता रोकना छोड़ रही हैं। इसे धुनना जारी रखो।
हेलीकॉप्टर राजनगर तट से वापस मुड़ रहा था...
दिमाग का बादशाह है तू! तुझे रोकने का एक ही तरीका था कि तेरे दिमाग को चलने से रोका जाए। और वह गिलीगिली के वशीकरण ने कर दिया!
पर यह मत... आह...भूल कि गिलीगिली किस हालत में वापस गया था। तू भी उसी हालत में वापस जाएगा।
तेरा दिमाग काम नहीं कर रहा है। भूल गया है तू कि किसी रहस्यमय लड़की की मदद लेकर तूने गिलीगिली को हराया है। पर यहां तक तेरी मदद को कोई नहीं पहुंच सकता!
तड़
ध्रुव का दिमाग पहले से ही अपनी मां की गुत्थी में काफी उलझा हुआ था!

और वक्र के वज्र जैसे कड़े शरीर के घन जैसे वारों ने उस दिमाग को बेहोशी के अंधेरे के कगार पर पहुंचा दिया था।
और अब एक जोरदार वार उसको मौत के अंधेरे तक पहुंचा सकता था।
यह वार शायद वही था जो ध्रुव को वहां पर पहुंचा सकता था-
तड़तड़तड़तड़तड़तड़त
जहां पर रोबो अभी पहुंचा हुआ था।
रोबो जैसी ग्रेंड शख्सियत की अंतयेष्टि यहां पर! एक... फर्नेस में?
यह रोबो की इच्छा थी कि उसे अपनी ही फर्नेस में विदाई दी जाए। आखिर आधा मेटल का शरीर और कहां पर सद्गति पाएगा।
वैसे भी, रोबो की मौत, एक गुप्त खबर है।
यह रोबो द्वारा खुद खास डिजाइन की गई थी। यह सुबूत छुपाने में बड़ी काम आती है।
हमारे हर अड्डे के बेसमेंट में ऐसी फर्नेस हैं, ट्विस्टी!

बाय, डैड। आई... आई विल मिस यू! सुबुक!
रोबो ने हर निर्णय हमेशा खुद लिया था। उसके अस्तित्व को उसकी अपनी बनाई चीज ही मिटा रही थी।

दो मिनटों के लिए फर्नेस का द्वार बंद हुआ।

नताशा!

ROBERT SH
क्या... है यह?
ग्रेंडमास्टर रोबो!
य...यह.. ओ गॉड! यह राख के बीच में क्या है?
उनका बेल्ट बक्कल है शायद! पूरा पिघल नहीं पाया।
अब इसे आप... समुद्र में विसर्जित करेंगी या...गंगा में?

पहले रोबो के दुश्मन मरेंगे। उनकी चिताएं जलेंगी। उनकी राख को कूड़े के ढेरों में मिलाऊंगी मैं! नालों में विसर्जित करूंगी।
उसके बाद विसर्जन करूंगी डैड की भस्म का! शुरूआत होगी उस कंटेनर पर खड़े हंटर से!

विक्टर का मैसेज आया? वह कंटेनर तक पहुंचा या नहीं?
दुश्मन का हेलीकॉप्टर अब राजनगर तट के जंगल की तरफ मुड़ रहा है।

"उन्हें पकड़ने में पांच मिनटों का वक्त और लगेगा।"
मौत बेहोश ध्रुव से चंद पल दूर थी।

और उसके ठीक नीचे, सतह से कई किलोमीटर नीचे...
...दो पैर समुद्र के तल से।
उसकी तरफ बढ़ रहे थे। अब देखना यह था, कि...

..या वे दो कदम कंटेनर की छत पर पहले जा जमेंगे।
..कौन?... और मेरी तलवार टूट कैसे गई?
मैंने तोड़ी!
कौन है तू?
मूवर! इस कंटेनर का मालिक! होने वाला!
तुम्हारा पेट्रोल और बर्बाद नहीं करूंगा मैं।
यहीं पर उतार दो, इस कंटेनर को भी। और मुझे भी।
श्मशान आते ही उतार दूंगा। क्योंकि मुझे तू मुर्दा नजर आ रहा है। होने वाला!
मौत का खंजर ध्रुव के सीने में पहले उतरेगा।

मुझसे लड़कर मुझे न अपना समय दो और न अपनी जान!
मुझे तो सिर्फ...
...इस कंटेनर के अंदर का सामान चाहिए!
हम प्रभावित हुए!
पर... क्या है न...मैं कंटेनर को पूरा चेक कर चुका हूं। इसके अंदर वह चीज है ही नहीं। जो मुझे चाहिए, शायद तुम्हें भी!
पर मेरी एक खराब आदत है। मैं जब कोई चीज ले लेता हूं...
तो वापस किसी को नहीं देता!
अब उतरो नीचे मेरे कंटेनर से।
और कोई दूसरी सवारी पकड़ो!

ओह! इम्प्रेसिव पावर!
अरे यह तो...
...हवा में घूमकर वापस आ गया!
जो बात अभी तुमने मुझसे कही थी वही बात मैं तुमसे कहूंगा...
...कि तुम कोई दूसरी सवारी पकड़ लो।
और कंटेनर चाहे तुम रखो, मैं तुम्हें तुम्हारे दुश्मन की जान नहीं लेने दूंगा। मरने नहीं दूंगा ध्रुव को! और यही तुम्हारा दंड होगा!
"ओ गॉड! एक मिनट के लिए नजर क्या हटी, वहां तो सीन ही बदल गया है।"

विक्टर वहां पहुंच गया?
विक्टर अभी भी दूर है। पर कोई और वहां पर पहुंच गया है।
पहचानती हो इसे?
नहीं! पहले कभी नहीं देखा। ध्रुव को बचा रहा है। ध्रुव का दोस्त होगा कोई। पर कौन?
क्या पता?
"पर कंटेनर तो लगता है गया हाथ से। हमारे भी और हंटर्स के भी!"
नहीं! डाईवर्स हैं विक्टर के साथ! हम कंटेनर को वापस हासिल करके रहेंगे!
श्वेता जहां जाती है, दो कान छोड़कर आती है।

फिलहाल कंटेनर पानी के अंदर खिंचता जा रहा था।
पर कंटेनर में सिर्फ बेजान सामान नहीं था।
कमांडो फोर्स की तीन जिंदगियां और बंद थीं। जिनके बारे में जानने वाले एक को उनकी परवाह नहीं थी।

और दूसरा परवाह करने की हालत में नहीं था।
ओ माई गॉड!

EMERGENCY
क्या हो रहा है यहां? अस्पताल के बाहर क्यों शोर मचा रहे हो?
यह.. देखिए, डॉक्टर साहब!
यह कार अभी-अभी कोई यहां पर छोड़कर गया है।

ओ माई गॉड! यह तो ध्रुव है। रोड रोलर के नीचे आ गया था क्या? जल्दी स्ट्रेचर मंगाओ। ऑपरेशन थिएटर तैयार करो!

कमिश्नर राजन को इन्फार्म करो। वे इस वक्त सिटीसेंटर वाले जनरल हॉस्पिटल में हैं। अपनी वाइफ के पास!
एंड नो प्रेस! स्ट्रिक्टली!
CITY HOSPITAL
O. P. D.
ओ.के.. सर!

कुछ ही मिनटों में-
ऑपरेशन थिएटर में अभी पिछला ऑपरेशन खत्म हुआ है।
दो मिनट लगेंगे उसे तैयार होने में।
दो? पर.. पर...इसकी पल्स डाउन हो रही है।
इंटरनल ब्लीडिंग है। इसे सीवियर इंटरनल इंजरीज है। इसका हार्ट जवाब दे रहा है। ब्लड का इंतजाम करो!

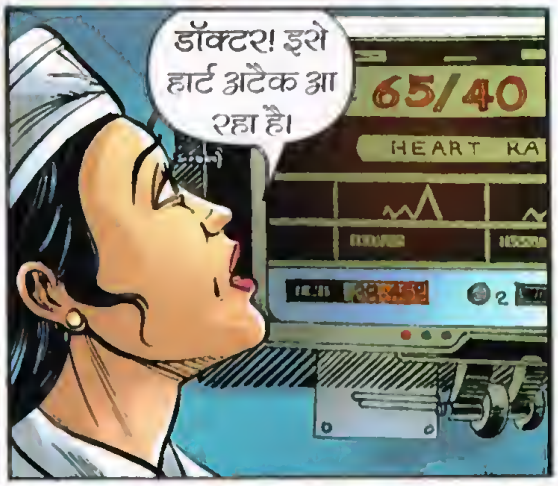
डॉक्टर! इसे हार्ट अटैक आ रहा है।
65/40
HEART RA

शॉक मशीन तैयार करो। तुरंत!

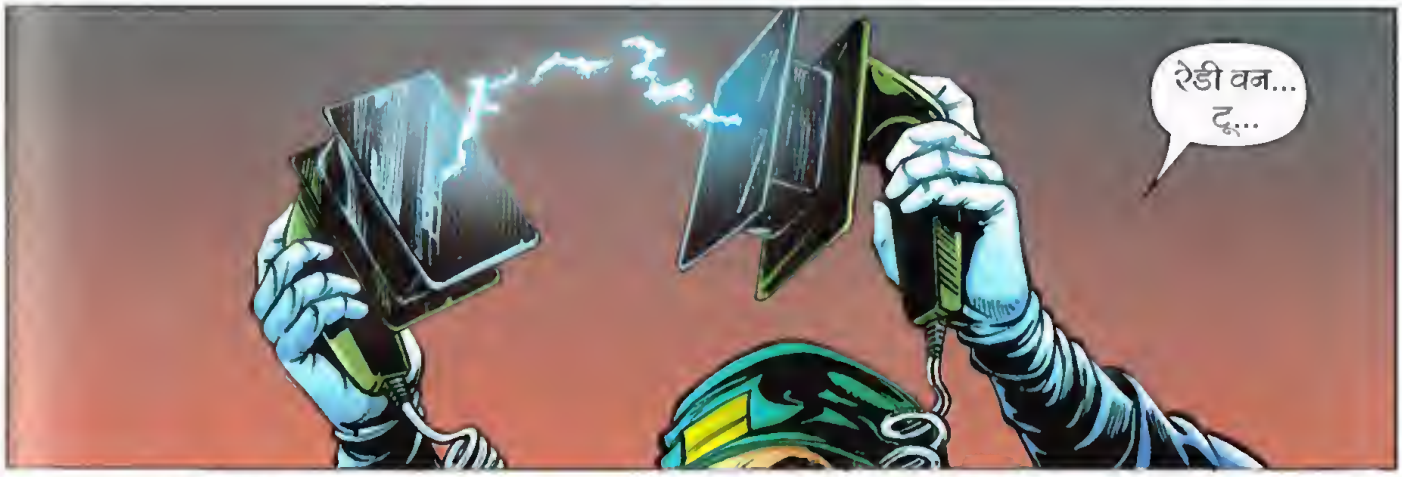

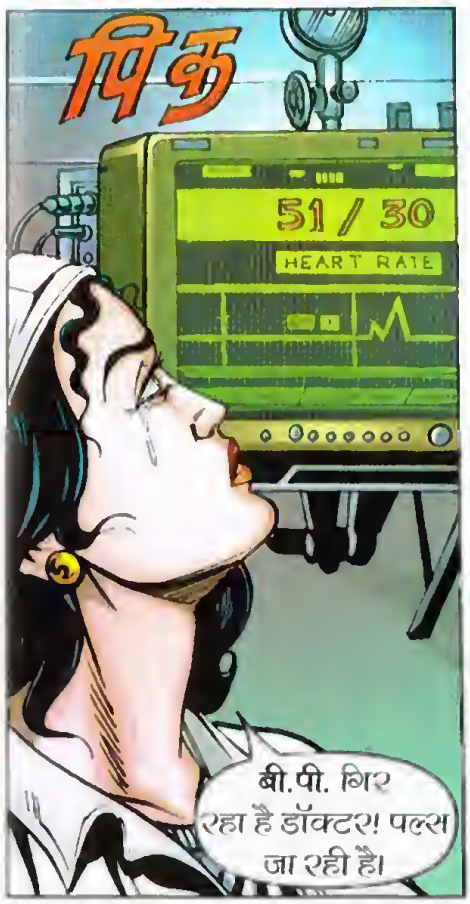

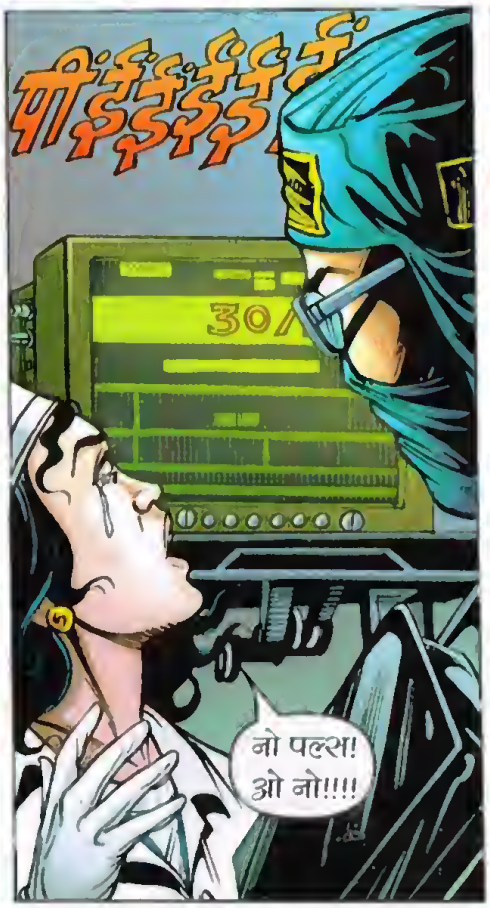

रेडी वन... टू...
थ्री!
पिक
51 / 30
HEART RATE
बी.पी. गिर रहा है डॉक्टर! पल्स जा रही है।
पींईईईईईं
30/
नो पल्स! ओ नो!!!!
...परिवार वालों को बुला लो! अब बाहर खड़े प्रेस वालों को वे ही बताएंगे...

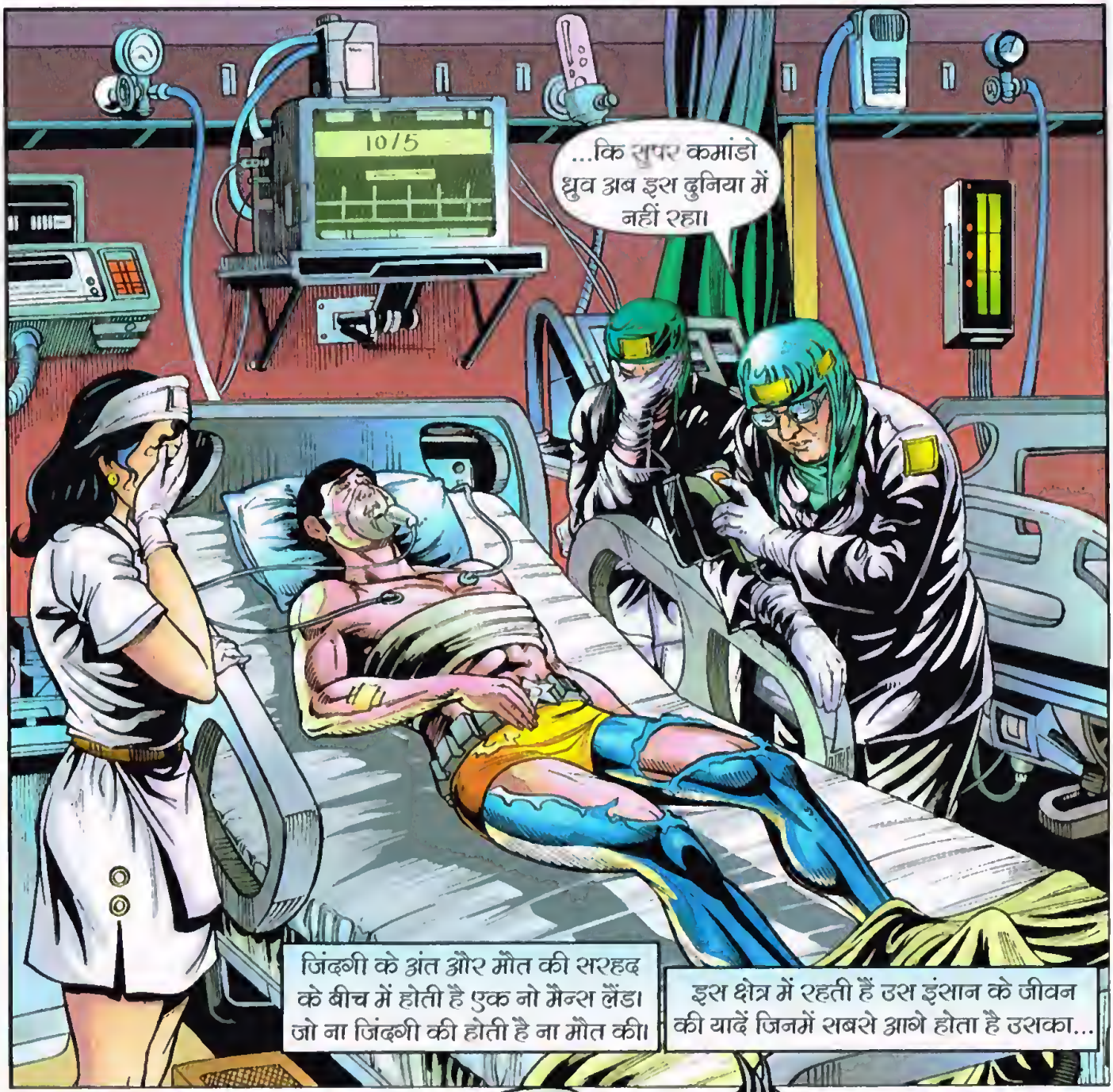
...कि सुपर कमांडो ध्रुव अब इस दुनिया में नहीं रहा।
जिंदगी के अंत और मौत की सरहद के बीच में होती है एक नो मैन्स लैंड। जो ना जिंदगी की होती है ना मौत की।
इस क्षेत्र में रहती हैं उस इंसान के जीवन की यादें जिनमें सबसे आगे होता है उसका...

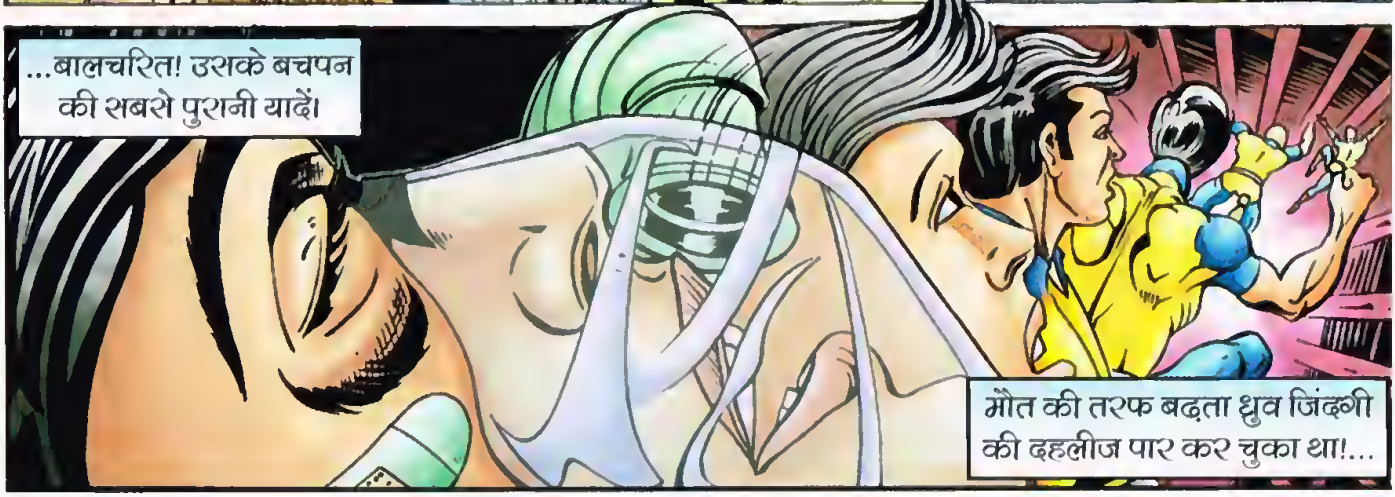
...बालचरित! उसके बचपन की सबसे पुरानी यादें।
मौत की तरफ बढ़ता ध्रुव जिंदगी की दहलीज पार कर चुका था!...

और अब वह पहुंच चुका था। 'नो मैन्स लैंड में। अपनी यादों की दुनिया में! भूली बिसरी और चैतन्य यादें!
मस्तिष्क चार हफ्तों में ही दिखने लायक आकार ले लेता है।
इंसान के शरीर में सबसे पहले विकसित होने वाले अंगो में अग्रणी होता है, मस्तिष्क! 2,50,000 कोशिका प्रति मिनट की दर से विकसित होता है मस्तिष्क!
और दो महीने पूरे होते-होते भ्रूण के ब्रेन का 'रेस्पॉन्स सिस्टम' चालू हो जाता है!
और यहीं थी भ्रूण ध्रुव की पहली याद! मां की आंखों से देखे गए दृश्यों में अपनी कल्पना को मिलाकर बनाई गई यादों की एक एलबम!
श्याम!
श्यामऽऽऽम!
कहां हो तुम?

ध्रुव की यादों का भावनाओं से यह पहला संपर्क था। एक मां के मातृत्व की कोमल और सुरक्षा से भरी भावना से!
यादों के एल्बम की इससे बेहतर शुरूआत भला और क्या हो सकती थी।
ओ! तुम यहां पर हो! नाश्ता नहीं करना क्या?
तुम्हारे बगैर नाश्ता कैसे करता मैं?
कहां चली गई थी तुम सवेरे-सवेरे। और वह भी बिना किसी को कुछ बताए?
शादी हुए अभी तीन महीने ही गुजरे हैं और रूठना शुरू! अरे, कोई समस्या थी तो मुझसे कहतीं! ऐसे अंजान शहर में बाहर जाना खतरनाक...
...मैं...डॉक्टर के पास गई थी।
डॉक्टर के पास?
डॉक्टर के पास? क्यों? मैं भी चलता? बताया क्यों नहीं? चोट-वोट लगी है क्या?

चोट तो तुम्हें लगने वाली है! कम से कम पांच हजार की!
बाप बनने वाले हो तुम!
बाप! श्याम!!
हैंऽऽऽ! मैंऽऽऽ!
येऽऽऽ! मैं.. बाप बनने वाला हूं! पर तुमने पहले क्यों नहीं बताया?
अरे, बाबा! वही तो कंफर्म करने गई थी गाएनाकोलोजिस्ट के पास!
उन्होंने बताया कि तू थोड़ा लेट आई है। शिशु तो दो महीने का हो भी चुका है।
दो महीने! अरे, मैं खुशी से पागल हो जाऊंगा! जैकब अंकल, सबको बुलाओ! मैं...
तुम तो पहले नीचे आओ।

अरे हां! मैं तो भूल ही गया था कि मैं उल्टा लटका...
हूंऽऽ
ऐ, श्याम! ऐसे नाटक मुझे पसंद नहीं उतरो!
कुछ तो बोलो श्याम! क्या हुआ है तुम्हें? चक्कर आ गया क्या?
डार्ट!! किसी ने डार्ट से हमला किया है।
हमला? श्याम पर? ले...लेकिन क्यों? ओऽऽ! ए...एक और डार्ट! हमला अभी भी जारी है।
हां! यानी निशाना श्याम नहीं, कोई और है!! बचो।
व...वह कार! यह तो डॉक्टर के क्लीनिक के बाहर थी!

ओ गॉड यह तो...फूल रहा है!!
अगर...अगर मैं नहीं झुकती तो वह डार्ट मुझे लग गई होती!
और... यह हाल तुम्हारा हो गया होता।
यानि निशाना तुम हो! जाओ यहां से!
ओ, ब्रूनो!
मैं इन्हें संभालता हूं।
पर, जैकब अंकल, आप...
भूलो मत, राधा, कि मैं कौन हूं। मेरी चिंता मत करो। जाओ!
पर मैं नहीं जा सकती, अंकल! श्याम को उतारना है मुझे। वह कभी भी गिर सकता है। और नीचे जाल भी नहीं लगा है।
जैसे कर्म करना तुम्हारे हाथ में है, फल देना प्रभु के हाथ में है...

वैसे ही भागना तुम्हारे हाथ में है, पर तुम्हारी मौत पेड पाईपर के हाथ में है!
मैं शांत हूं! इसी लिए खोपड़ी में गोली घुसाने से पहले, बात घुसाने की कोशिश करता हूं!
कौन हो तुम? राधा के पीछे क्यों पड़े हो?
मौत, यमराज से पूछती नहीं कि उसके शिकार ने यमराज का क्या बिगाड़ा है।
यम भेजता है, मौत आकर ले जाती है।
ओऽऽ! यानी कोई 'यम' भी है!... कौन है वह नर्क का राजा?
यादों के गुलदस्ते में फूल के साथ कांटे भी सज रहे थे!
ममतामयी सुकून भरी यादों के बाद ध्रुव का परिचय सीधे अपराध की क्रूर भावनाओं से हो रहा था।
यह किस दुनिया में आने वाला था वह?

अगली याद...धमाकेदार थी।
तुम्हारी एक डार्ट ने ब्रूनो को मारा है। यह अपराध काफी है तुम्हें मौत की सजा देने के लिए!
पर क्या करूं? सभ्य समाज में रहने के लिए कई आदतें छोड़नी पड़ती हैं! अब पहले जाएगा तुम्हारा डार्ट फेंकने वाला हथियार।
और फिर तुम्हारी टांगों की बारी आएगी। जबान सबसे बाद के लिए छोड़ देते हैं।
इसीलिए तो मैं सभ्य समाज में नहीं रहता!...
क्योंकि सभ्य लोगों में मुझे उल्टी आती है!
पेड पाईपर की फुर्ती चीते सी और फूंक हाथी जैसी है।
गोलियां मुझे रोक नहीं सकतीं।
क्योंकि मेरी डार्ट उन्हें निकलने से पहले ही फोड़ देती है।

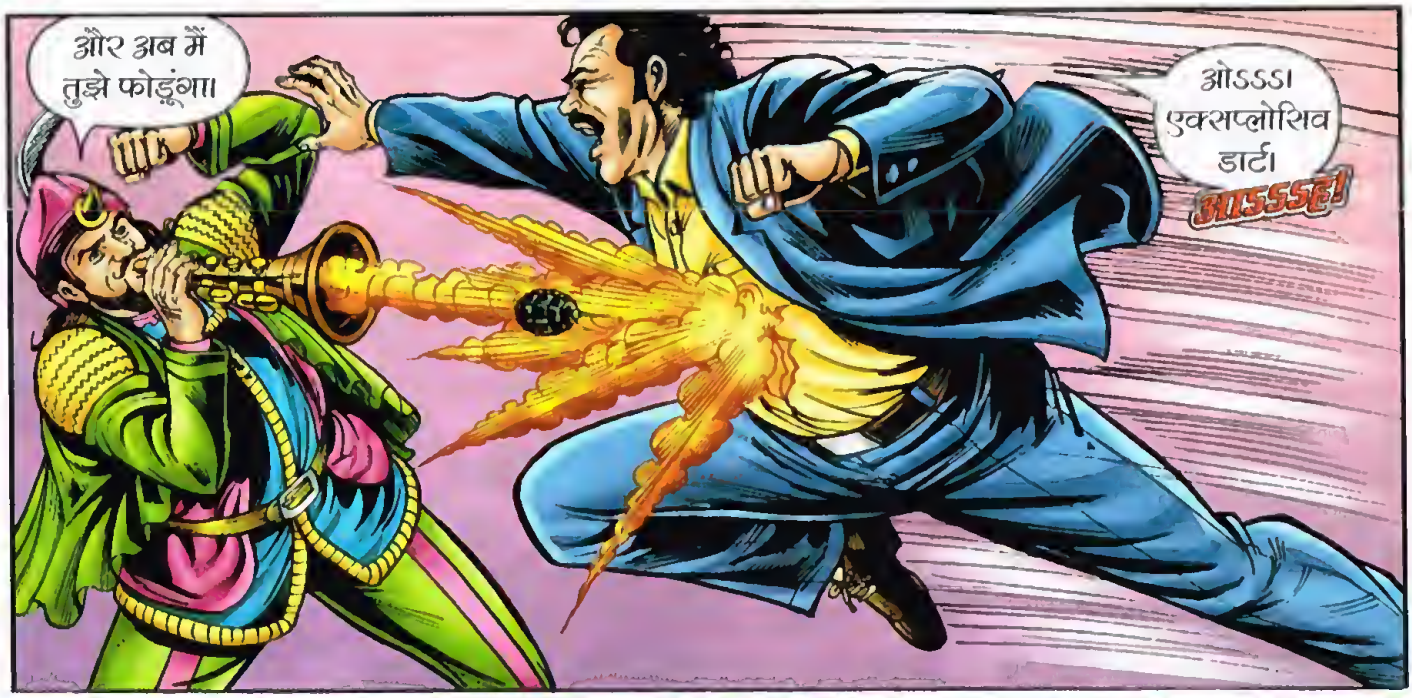
और अब मैं तुझे फोड़ूंगा।
ओऽऽऽ। एक्सप्लोसिव डार्ट।
ZISSSE!

घबरा मत! मामूली विस्फोट था।
मारूंगा नहीं तुझे मैं।
तुझे मारने के पैसे नहीं मिले हैं मुझे।

ऐसा पहली बार हो रहा है कि शिकार को मारने के लिए मुझे दौड़-दौड़ कर रन लेने पड़ रहे हैं। चलना पड़ रहा है।
वर्ना तो मैं खड़े-खड़े डार्ट बाऊंड्री के पार भेज देता हूं।

और उनके साथ अपने शिकार को भी!
ओह! सामने उल्टा लटका शिकार! ऐसे तो मारने में कोई चैलेंज ही नहीं है। पर क्या करें?
विचारों की गति बहुत तेज होती है। कुछ ही पलों में वह अपनी जिंदगी के हर जाने-अंजाने पल से दुबारा परिचय कर लेते हैं।

और अभी ध्रुव को यादों की इस 'नो मैन्स लैण्ड में दाखिल हुए कुछ ही पल बीते थे।
राधा की एक-एक सोच उस भ्रूण के दिमाग में तेजी, से बनते न्यूरॉन्स में, सहेजकर रखी जा रही थी।
ओफ् याद नहीं आता कि ऐसी परिस्थितियां मेरे सामने कभी भी आई हों!
मैंने जिंदगी में कभी किसी मामूली पॉकेटमार तक का सामना नहीं किया है। अब मैं इस मुसीबत से बचूंगी कैसे?
मुझे तो बस एक ही चीज ठीक से आती है। और वह हैं कलाबाजियां।
ओ नो! ऐसी हालत में कलाबाजी बच्चे के लिए खतरनाक हो सकती है।
पर नहीं करूंगी तो मामला और भी खतरनाक हो जाएगा।
इसे दूसरा मौका में नहीं दूंगी!...बिल्कुल नहीं। आऊऽऽ!
जब तक मैं झूले पर हूं, तब तक तेरी डार्ट मुझे छू भी नहीं सकती।

ओफ्! यह तो खतरनाक है! इतना समय तो मुझे पहले किसी शिकार को मारने में नहीं लगा!
जल्दी करनी होगी! अभी सुबह के कारण इतना सन्नाटा है। जल्द ही भीड़ बढ़ने लगेगी।
अरे! य...यह डार्ट तो हवा में मुड़ रही है! मेरा पीछा कर रही है!!
यह 'हीट सीकर मिसाईल डार्ट' है! मेरी सबसे खतरनाक डार्ट! कभी इसका इस्तेमाल करने की जरूरत नहीं पड़ी।
चलो आज टेस्टिंग हो जाएगी।
अब कुछ ही पलों में यहां सर्कस के लोग भी आ जाएंगे।
पल-पल करके खतरा बढ़ता जा रहा था। राधा के लिए भी और उसके गर्भस्थ शिशु के लिए भी!
और इस खतरे के आने के पीछे क्या कारण था...

यह भगवान और पेड पाईपर के अलावा और कोई नहीं जानता था!
अपने गर्भ में आए शिशु की सलामती का ध्यान करके राधा एक पल के लिए ठिठकी...
परंतु मिसाइल डार्ट में सिर्फ एक भावना थी। विनाश की।
पर शिशु बहुत भाग्यवान होते हैं।
क्योंकि उनके पास एक नहीं, दो रक्षक होते हैं।
ऐन वक्त पर शरीर हटा लेने के कारण, राधा की जान तो फिलहाल बच गई, पर झूला नहीं बचा।
और दो शरीर एक साथ नीचे गिरने लगे। एक राधा का...
...और दूसरा उसके गर्भस्थ शिशु का।
दो जानें एक साथ जानी थीं-
आऊऽऽऽ!
श्याम! तुम होश में आ गए!!
दिमाग चकरा रहा है। शरीर जवाब दे रहा है।
पर मेरी जान से पहले तुम्हारी जान नहीं जा सकती।
ओ! लव यू!!

वाह! क्या प्रेम है। जिएंगे साथ और मरेंगे साथ!!
तो लो, मरो! मल्टी पिन मिसाईल डार्ट से।
ये तुम्हारे शरीर में घुसेंगी नहीं। शरीर से एक इंच की दूरी पर फटेंगी। और इनमें से निकलेंगी पूरी एक दर्जन घातक डार्ट्स, जिनसे बचना असंभव है।
तुम्हारा भी!
जम्बो!!
आऊऽऽऽऽ
अब तुम्हारा बाजा बजेगा। और तब तक बजेगा जब तक तुम्हारी जुबान नहीं खुलेगी।
जैकब, पेड पाईपर को तो रोक सकता था...
...पर राधा और श्याम को बचा पाना उसके बस से बाहर की बात थी।
राधा! मेरा सिर घूम रहा है...
मैं.. तुम्हें और देर तक थामे नहीं रख सकता।

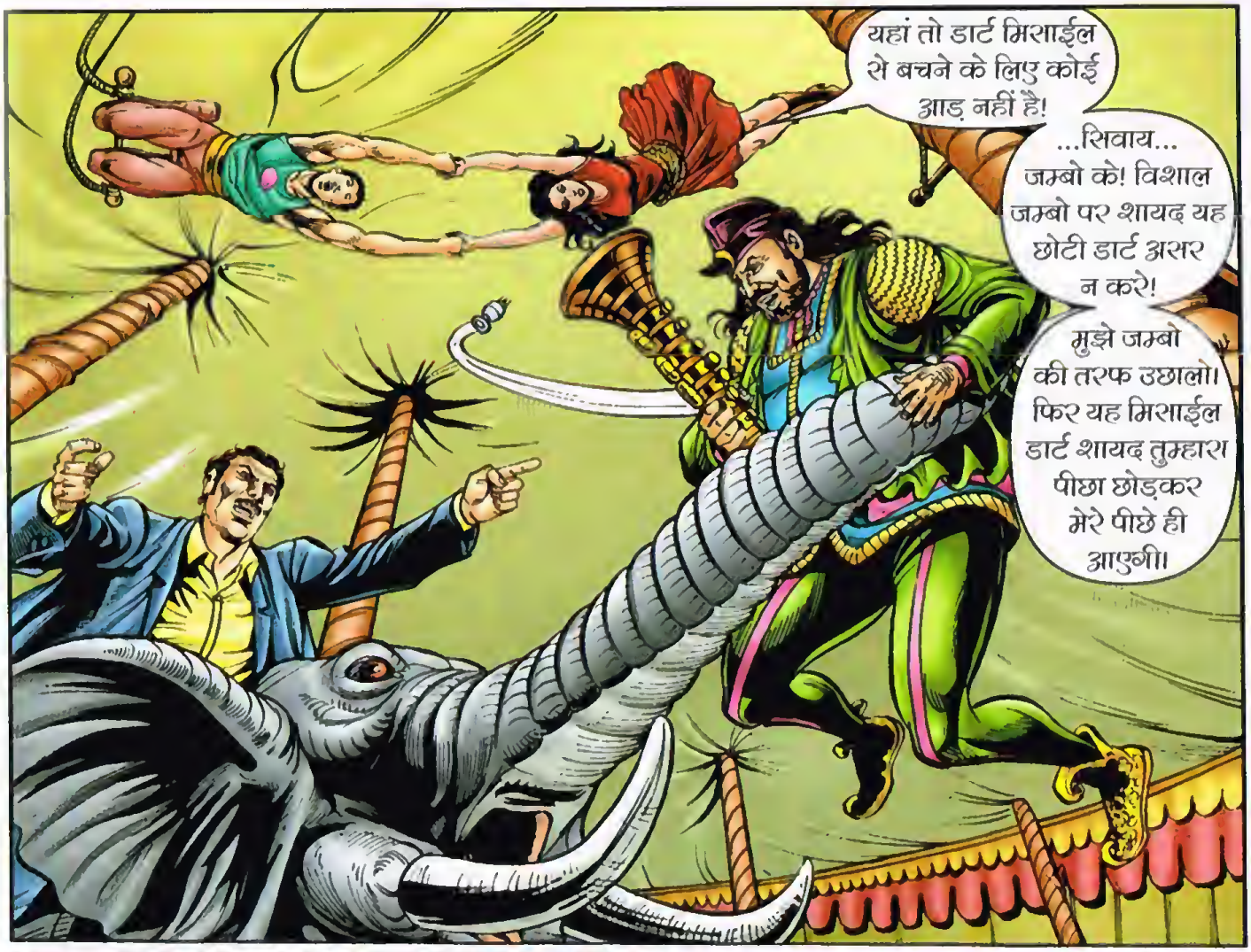
यहां तो डार्ट मिसाईल से बचने के लिए कोई आड़ नहीं है!
...सिवाय... जम्बो के! विशाल जम्बो पर शायद यह छोटी डार्ट असर न करे!
मुझे जम्बो की तरफ उछालो। फिर यह मिसाईल डार्ट शायद तुम्हारा पीछा छोड़कर मेरे पीछे ही आएगी।

तुम्हारा म्यूजिक सेशन खत्म हुआ।

अब फटाफट चालू हो जाओ! इससे पहले कि जंबो तुम्हारी पसलियों का चूरा बना दे...

फटाक
अरे! यह क्या?
चियाााााां
हाहा! किस्मत मेरे साथ है। और यह मौका मैं नहीं गवाऊंगा!
ओह! यह क्या गड़बड़ हो गई?
राधा की सोच के विपरीत कुछ डार्ट्स ने जंबो की मोटी त्वचा को बेधकर तुरंत अपना प्रभाव दिखाया। जंबो पर बेहोशी हावी हो रही थी।

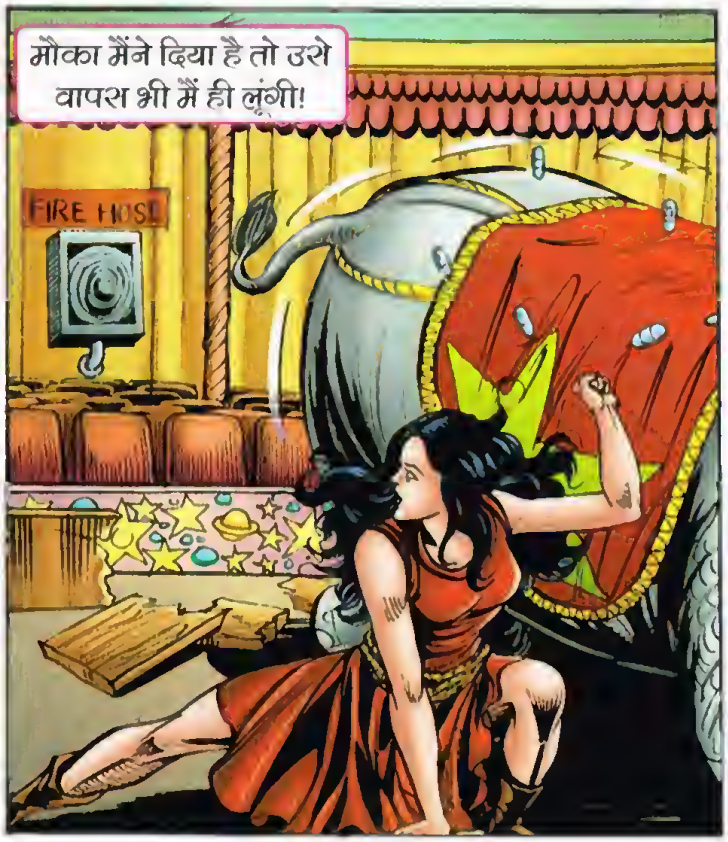

मौका मैंने दिया है तो उसे वापस भी मैं ही लूंगी!
FIRE HOSE

...क्योंकि यह मौका इसका नहीं, मेरा है।
ओ! फायर होज पाईप। अब तू इससे बांधेगी मुझे?

बांधूंगी नहीं!
तुझे छुटकारा दिलाऊंगी, तेरे हथियार से! जानता है इस पाइप का दूसरा छोर कहां पर है?
वह जंबो की सूंड के ऊपर चढ़ा है।
और अभी भी उसमें इतनी शक्ति है कि वह एक तेज फंक मार सके!
येढ़ ऊने.. क्या.. इया?? बैक प्रेशर से... आरे डॉर्ट.. ऐरे मुंऽऽह में.. ऊसा.. इए ऐंऽऽ!

ऐऽऽऽ!
इन..का..
मिला-जुला असर..
जानलेवा...
ओप्स!
सॉरी। मुझे पता
नहीं था।
याक!

ओ गॉड! मेरे सर्कस में मौत!!
इसको मारने का ये अजीब-ओ-गरीब आइडिया तुमको कहां से आया, राधा?
इसी ने बोला था कि इसकी फूंक हाथी से भी तेज है। बस, वही सुनकर मैंने कंपीटीशन कर दिया। मुझे क्या पता था कि यह मर जाएगा!
यह तो आत्म-रक्षा थी! पर तुम तो ठीक हो न, श्याम?
बेहतर लग रहा है। पर यह तुम्हें मारना क्यों चाहता था? याद करो! आज से पहले कभी देखा था इसे?
कभी नहीं।
ओफ्! हम लेट हो गए!
सुबह-सुबह क्या हो गया?
किसकी हिम्मत हुई जुपिटर सर्कस की तरफ आंख उठाने की।
और वह भी राधा दीदी पर?

अरे, जोकरों! चुप रहो। वे जो पुलिस कमिश्नर, यहां पर सर्कस की ओपनिंग पर चीफ गेस्ट थे न, उन्हें फोन लगाओ।
पर एक बात तो बताओ, राधा! तुम एकदम प्रोफेशनल फाईटर की तरह उसका सामना कर रही थीं। कैसे?
पता नहीं! बस तुम्हें मुसीबत में देखा तो हो गया!
मां का यह चंडी रूप ध्रुव ने कभी नहीं देखा था!

...और यह रूप शांत बदन को भी सिहरा देने के लिए काफी था।
CH
CH
ओफ्! कमिश्नर राजन को फोन नहीं लग रहा है। क्या करूं? ध्रुव नहीं रहा! अब इतनी बड़ी खबर दूं किसको? यस! 100 पर फोन करता हूं। वे बात कराएंगे कमिश्नर...
डॉक्टर!
डॉक्टर!!
क्या है?
अभी..अभी ध्रुव की पलक फड़की थी!!
बांई आंख में रिफ्लेक्स है। मरने के बाद स्पैस्म होते हैं।
सर! ये स्पैस्म नहीं था!
इंपॉसिबिल! हार्टबीट बंद हो चुकी है इसकी! पुतली फैल चुकी हैं!
अभी वेट कीजिए, सर! मैंने हरकत देखी है।
ठीक है। हम आधे घंटे तक और कोशिश करते हैं इसको रिवाइव करने की!
कोई बिरला ही वापस आता है नो मैन्स लैंड से...

पर जिसके लाखों चाहने वाले दीवाने हों, उसकी संभावना बढ़ जाती है।
नताशा! ध्रुव की खबर आई है। वह हॉस्पिटल के बाहर कार में मिला है।
यानी उस रहस्यमय शख्स ने उसे बचा लिया! बचा लिया न?
बस, इतनी ही न्यूज है। पांच मिनट पहले की। उसके बाद हॉस्पिटल वाले भी चुप हैं।
"एक मिनट, विक्टर लाइन पर है। समुद्र के किनारे, जंगल के पास कंटेनर गिरा हुआ है। विक्टर और रोबो आर्मी के लोग उसके पास आ रहे हैं।"
मैडम! कंटेनर हमें मिल गया है! राजनगर के जंगल वाले समुद्र तट पर है। पर...पूरा सामान उल्टा-पुल्टा हुआ पड़ा है।
यानी सामान हमारे हाथ से निकल चुका है।
मेरे ख्याल से नहीं!
यह तुम कैसे कह सकती हो?
हंटर्स की उस 'डिलीटेड साइट' पर मैंने उनका ऑपरेशन मैनुअल देखा था।
उसमें उनके नियमों में लिखा था कि ऑपरेशन पूरा होने पर कोई सुबूत न छोड़ा जाए!
आग से या धमाके से नष्ट कर दिया जाए।

"और उस शख्स ने ऐसा नहीं किया। यानी वह इस बेकार लगने वाले सूत्र को भी नष्ट नहीं करना चाहता।"
"क्योंकि उसका काम अभी भी अधूरा है और काम पूरा होने तक वह किसी भी सूत्र को नष्ट नहीं करेगा।"
"हम्म्! यह तो बहुत समझदारी वाली सोच है, द्विवेदी! उस मैनुअल से रोबो आर्मी बहुत कुछ सीख सकती है।"
"काश, वह साइट डिलीट न की गई होती। खैर! विक्टर से बोलो कंटेनर सहित पूरा सामान, एक-एक पेंच तक यहां लेकर आ जाए।"
तुम्हारी चाल की लय में असफलता झलक रही है, पुत्र!
असफलता मेरे काम में नहीं, आपके अनुचरों की गुप्तचरी में झलकी है, मठेश!
अर्थात्?
मुझे कंटेनर हासिल करना था, वह मैंने कर लिया।
पर आपके सूत्रों के अनुसार उसके अंदर जो चीज होनी चाहिए थी, वह नहीं थी।

असंभव! यानी... हम अब तक कंटेनर के पीछे वक्त बर्बाद कर रहे थे...
तब एक बात हो सकती है। वह चीज, फार्मूले के साथ, सर्कस की आग में जल चुकी है!
नहीं! वह चीज उसे जान से भी ज्यादा प्यारी थी! वह है और बहुत संभाल कर रखी गई है।
इसीलिए वह न तो कबाड़ के साथ कंटेनर में थी और न ही ध्रुव के वेयर हाऊस में।
'कीमती' छोटा शब्द है उसके लिए!
पर अगर वह है तो है कहां?

ये बताएंगे! कमांडो फोर्स के तीन जमूरे! इनकी वजह से ही मुझे पानी से जल्दी बाहर आना पड़ा।
और कंटेनर वहीं पर छोड़कर दूसरा हैलीकॉप्टर बुलाना पड़ा!
अतिउत्तम!! यानी सुई चुभोगी इन्हें और कराहेगा ध्रुव! और मुंह खोलकर हमें बताएगा कि वह चीज कहां है?

ध्रुव अब कभी मुंह नहीं खोलेगा!

मतलब?

मतलब कि ध्रुव को मैंने मार दिया है! सामने आ गया था मेरे! मैं बचता या वह!
क्या? तू इतना बड़ा योद्धा हो गया...
...कि ध्रुव को मार दे!
शिव! शिव!
ध्रुव को मारने का माद्दा तुझमें कहां से आ गया? उसका मरा मुंह देखा तूने?
मैं देखता! जरूर देखता। अगर एक शैतान हमारे बीच में न आ जाता। जाने कौन था वह?
उसने हेलीकॉप्टर पानी में गिरा दिया और मरते ध्रुव को बचा कर ले गया।
पर ध्रुव बच नहीं सकता!
क्यों?
क्योंकि मैंने उसके शरीर में 'रक्त-रिस' चूर्ण प्रविष्ट करा दिया है! उसको ऐसा आंतरिक रक्त स्राव होगा जिसे कोई भी मेडिकल डॉक्टर रोक नहीं सकता!
पाप पर पाप किए जा रहा है तू! अब मुझे पूरे महीने का व्रत रखना पड़ेगा! तुरंत मंदिर जाकर क्षमा मांगनी होगी तेरे लिए!
मां, तुम तो... हमारे काम का कुछ समझती ही नहीं।

समझती नहीं! ध्रुव को मार डाला और उसके कैडेट्स को उठा लाया। यही है तेरा काम?
अब इन पर जोर जबरदस्ती करके किसका मुंह खुलवाएगा, बता? ध्रुव जिंदा होता तो इनकी खातिर वह ढूंढता फॉर्मूला तेरे लिए!
सच है। है तो तू महामठाधीश की बेटी! दिमाग है तुझमें!
वो मां... मैं...
कल का छोकरा, मुझे काम सिखाने चला है! जाती हूं मैं। तेरे पापों की मुक्ति के लिए घंटों तक प्रभु का भजन करना होगा।

आप भी मां की तरफ हो गए, मठेश। ध्रुव को तो मेरे हाथों मरना ही था। अभी तो उसकी बहन, बाप, मां जिंदा हैं। उन पर दबाव डालेंगे हम!
वे बताएंगे हमें कि ध्रुव ने जुपिटर का सामान छुपा कहां रखा है!

हुम्म! वह परिवार, जिससे ध्रुव झगड़ा कर बैठा है! उन पर क्या दबाव डालेगा तू? उसकी बहन को ध्रुव का सामान तो छोड़...

"अपने सामान तक का पता नहीं होता।"
नहीं, मैडम अंदर ध्रुव सर का ईलाज चल रहा है। वहां जाना मना है!!
हमने जो मना है, वह माना नहीं है! हटो या पिटो।

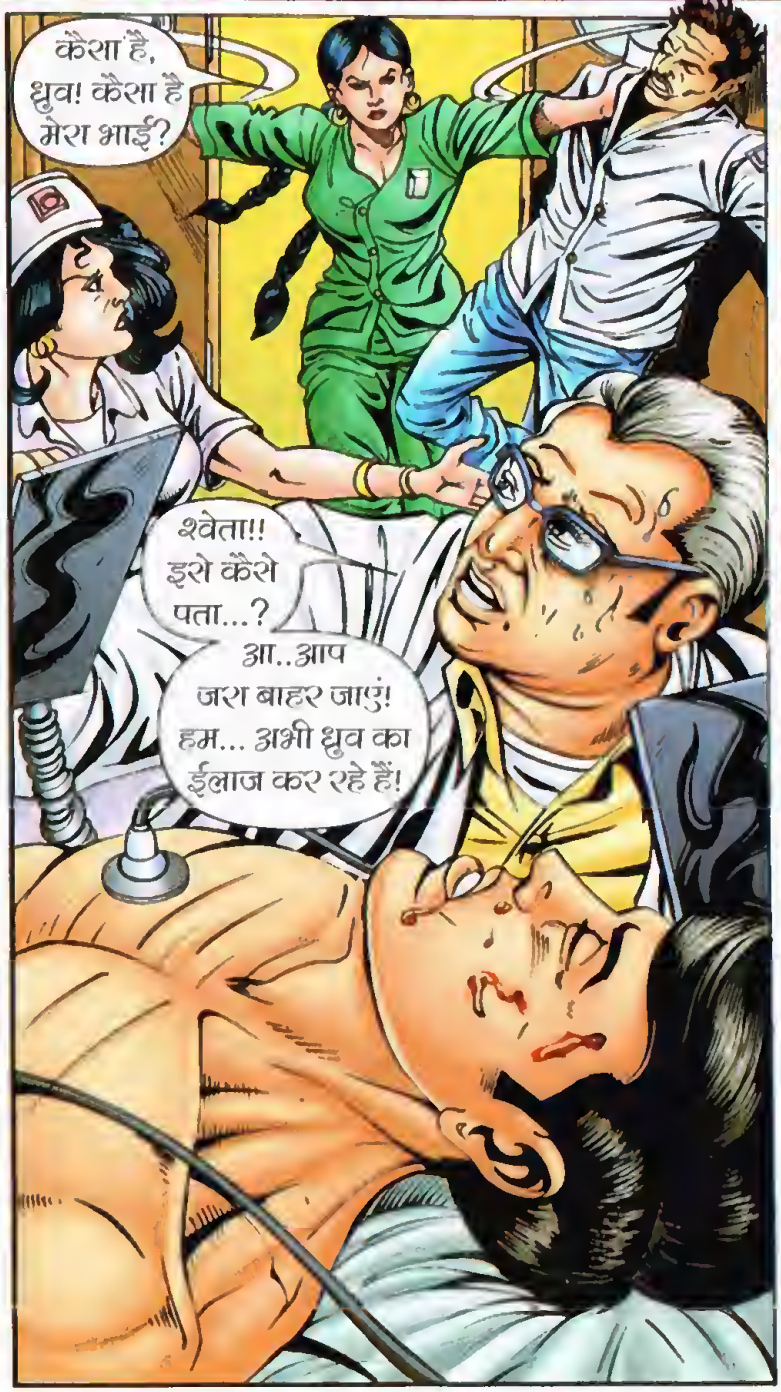
कैसा है, ध्रुव! कैसा है मेरा भाई?
श्वेता!! इसे कैसे पता...?
आ..आप जरा बाहर जाएं! हम... अभी ध्रुव का ईलाज कर रहे हैं!

OP:D
हार्ट बीट खत्म है!! ब्लड प्रेशर खत्म है!! यानी..ध्रुव.. मेरा भाई...

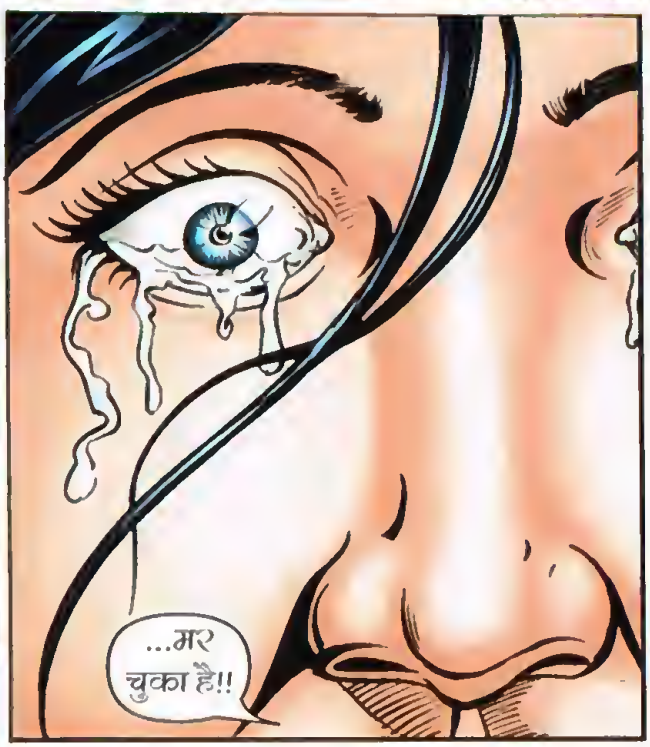
...मर चुका है!!

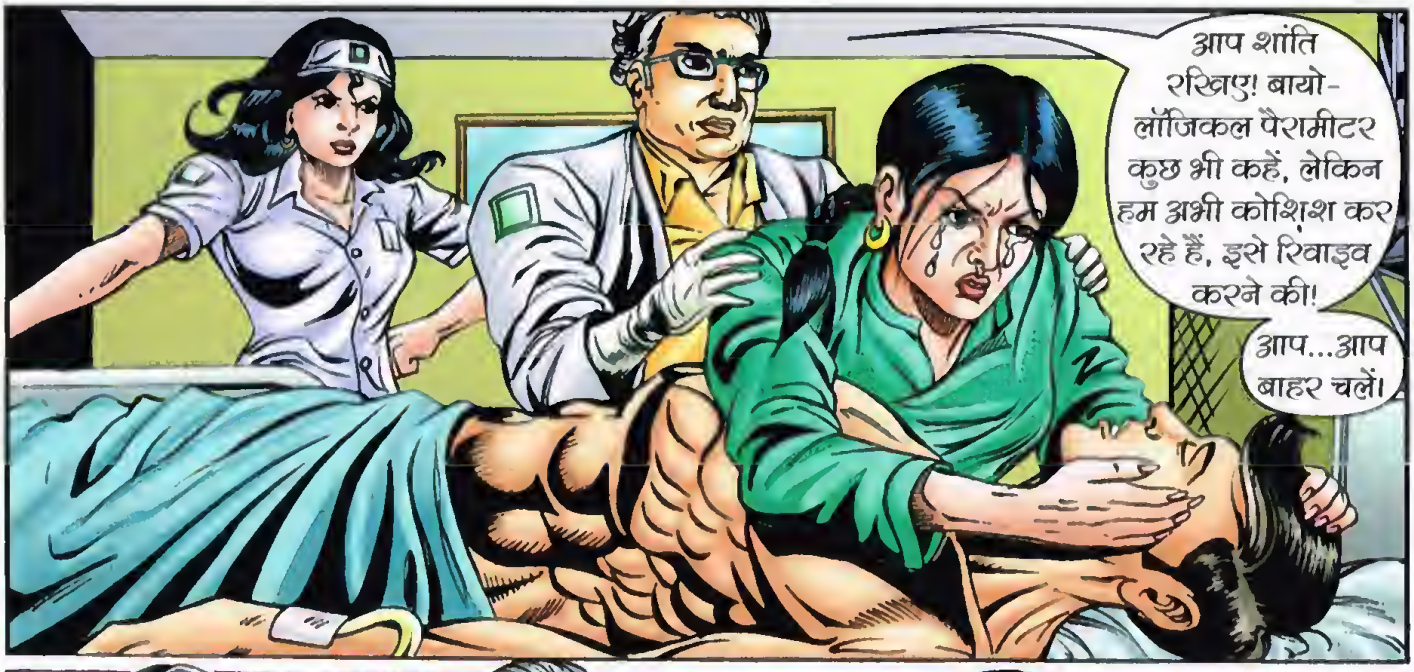
आप शांति रखिए! बायो-लॉजिकल पैरामीटर कुछ भी कहें, लेकिन हम अभी कोशिश कर रहे हैं, इसे रिवाइव करने की!
आप...आप बाहर चलें।

कोशिश कर रहे हैं? किस बात की? हार्टबीट खत्म है, पल्स खत्म है, बी.पी. खत्म है...
मिस श्वेता। इंसान ये चीजें खत्म होने से नहीं मरता...
तब कब मरता है?

जब आस खत्म हो जाती है। और हमारी आस अभी बाकी है। ध्रुव तब तक नहीं मरेगा जब तक हमारी आस नहीं मरती! ध्रुव तब तक जिंदा है जब तक हम अन्यथा न कहें!

ओऽऽह! (सुबक!) मेरा भाई!
चलिए! मैं आपको बाहर ले चलती हूं। पर यह बात हमारे बीच में ही रहेगी...

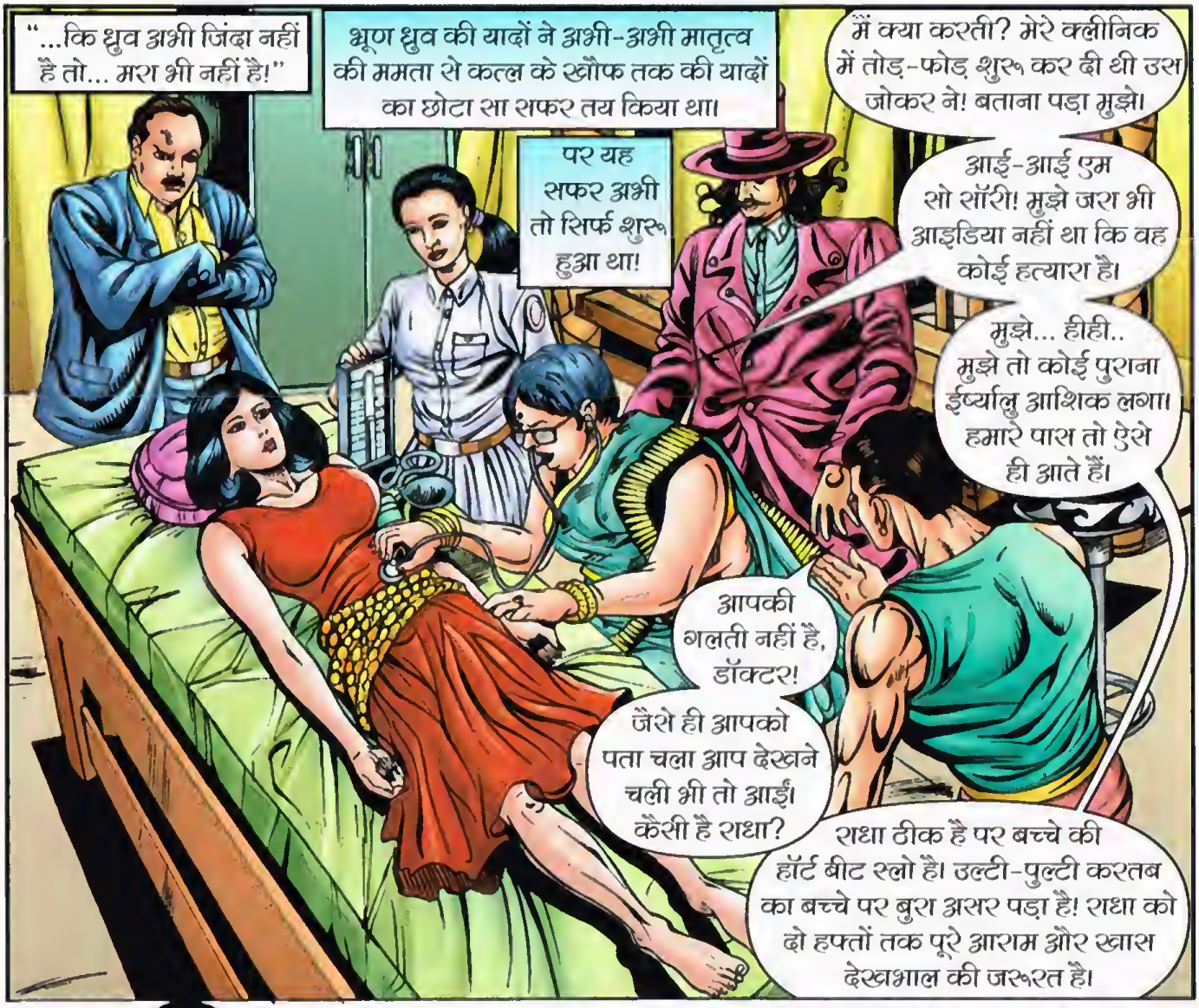
"...कि ध्रुव अभी जिंदा नहीं है तो... मरा भी नहीं है!"
भ्रूण ध्रुव की यादों ने अभी-अभी मातृत्व की ममता से कत्ल के खौफ तक की यादों का छोटा सा सफर तय किया था।
पर यह सफर अभी तो सिर्फ शुरू हुआ था!
मैं क्या करती? मेरे क्लीनिक में तोड़-फोड़ शुरू कर दी थी उस जोकर ने! बताना पड़ा मुझे।
आई-आई एम सो सॉरी! मुझे जरा भी आइडिया नहीं था कि वह कोई हत्यारा है।
मुझे... हीही.. मुझे तो कोई पुराना ईर्ष्यालु आशिक लगा। हमारे पास तो ऐसे ही आते हैं।
आपकी गलती नहीं है, डॉक्टर!
जैसे ही आपको पता चला आप देखने चली भी तो आईं। कैसी है राधा?
राधा ठीक है पर बच्चे की हॉर्ट बीट स्लो है। उल्टी-पुल्टी करतब का बच्चे पर बुरा असर पड़ा है! राधा को दो हफ्तों तक पूरे आराम और खास देखभाल की जरूरत है।

आपके यहां कोई ऐसी महिला है जो गर्भवती का ध्यान रख सके!
मेरा मतलब मेडिकली ट्रेंड महिला!
ऐसी तो... सर्कस में कहां..?

यह आपकी नर्स क्या थोड़े दिनों के लिए हमारे साथ रह सकती हैं?
म...मैं! सर्कस में! जा...जानवरों के बीच में?

हम आपको कोई तकलीफ नहीं होने देंगे!
दो हफ्ते की बात है, शेफाली। जो हुआ उसमें मेरा भी थोड़ा दोष है! मेरी खातिर रह जाओ दो हफ्ते यहां पर!
आप कहती हैं, तो ठीक है, मैडम! लेकिन मैं दोनों तरफ से सैलेरी लूंगी!
ठीक है। नो प्रॉब्लम। मैं चलती हूं। ध्यान रखना, राधा!
आइए, मैं आपको ले चलती हूं! पर मैं चौदह दिन से ज्यादा एक सैकेंड भी नहीं रुकूंगी!
हमें सुरक्षा बढ़ानी होगी! किसी लोकल प्राइवेट सिक्यो-रिटी कम्पनी से बात करें?
अरे नहीं! हम खुद सक्षम हैं। और अब हम सतर्क भी हैं।
वैसे भी, जिसने भी यह हरकत की है, वह जानता है कि अगर उसने जल्द ही दोबारा कुछ ऐसा किया तो हम उसे चीर फाड़ डालेंगे। अब कुछ दिन शांति रहेगी।
शाबाश यह हुई न शेरों वाली बात!
इस नर्स पर भी नजर रखनी पड़ेगी। मुझे तो अब किसी का भी भरोसा नहीं है।
पर जरा संभलकर! कहीं इस चक्कर में यह भाग न जाए!

दिन पर दिन बीतते गए। शेफाली पर दिन रात कड़ी नजर रखी गई...
...पर कुछ संदेहास्पद नहीं दिखा! वह शायद इसलिए क्योंकि खतरा इधर से नहीं, कहीं और से आ रहा था।
बस, हमारा सर्कस अगले तीन दिन तक ही इस शहर में है।
उसके बाद सधा पर मंडराता खतरा कम जरूर होगा।
क्या पता? जिसने ऐसे खतरनाक हत्यारे को भेजा, वह ऐसे चुप कैसे बैठ गया? वह जरूर...
"सही समय का इंतजार कर रहा है।"
"खतरा हटा नहीं है, जैकब सर!"
गो, रैबिट A!

सर्कस के अंदर, किसी को भी आने वाले जलजले का एहसास तक नहीं था!
अब आप ठीक भी हो गई हैं, राधा! और आपका बच्चा भी बिल्कुल स्वस्थ है।
वैसे सच कहूं, तो अब यह सर्कस घर जैसा लगता है।
तो रुक जाओ हमारे पास! तुम्हारे रहने से मैं भी निश्चिंत रहती हूं और श्याम भी!
ओ! तुम्हारी यह दवाई पीने के बाद नींद बहुत अच्छी आती है। सीधे सुबह ही खुलती है।

मैं तो जगी रहती हूं न! अब आप सो जाइए! सोते समय ही तो बच्चा तेजी से बढ़ता है।

"अब तो पहरेदारों के अलावा पूरा सर्कस सो रहा है।"

अरे! जमीन के नीचे से खुचर-खुचर कहां से आ रही है!!
मिट्टी भी उड रही है!

ओए, देख! यह जैकब सर की कोई नई ट्रिक है क्या? जमीन से निकलता हेडफोन वाला खरगोश!

और टाईम बम नहीं दिख रहा तुझे? अरे! भाग!
कहां भागूं? पीछे पड़ गया है कम्बख्त!
रैबिट B, कट...
कट द वायर!
धड़ाम

यह क्या था?
कोई गैस सिलेंडर फटा क्या?
य... यह क्या हुआ?
बम वाला खरगोश! जमीन खोद कर आया!... और फट गया!!
बम वाला.. खरगोश! चिलम पीकर सोए थे क्या?
लो! एक और धमाका! यह हो क्या रहा है?
दूसरा अटैक है!! राधा पर! पर...ये धमाके कैसे हो...
क्या हुआ?
खरगोश था। बम बांधे। जमीन से निकला और फट गया! ... ओए..रुक जा, मस्तानी!!
मैं...मैं राधा को देखता हूं!

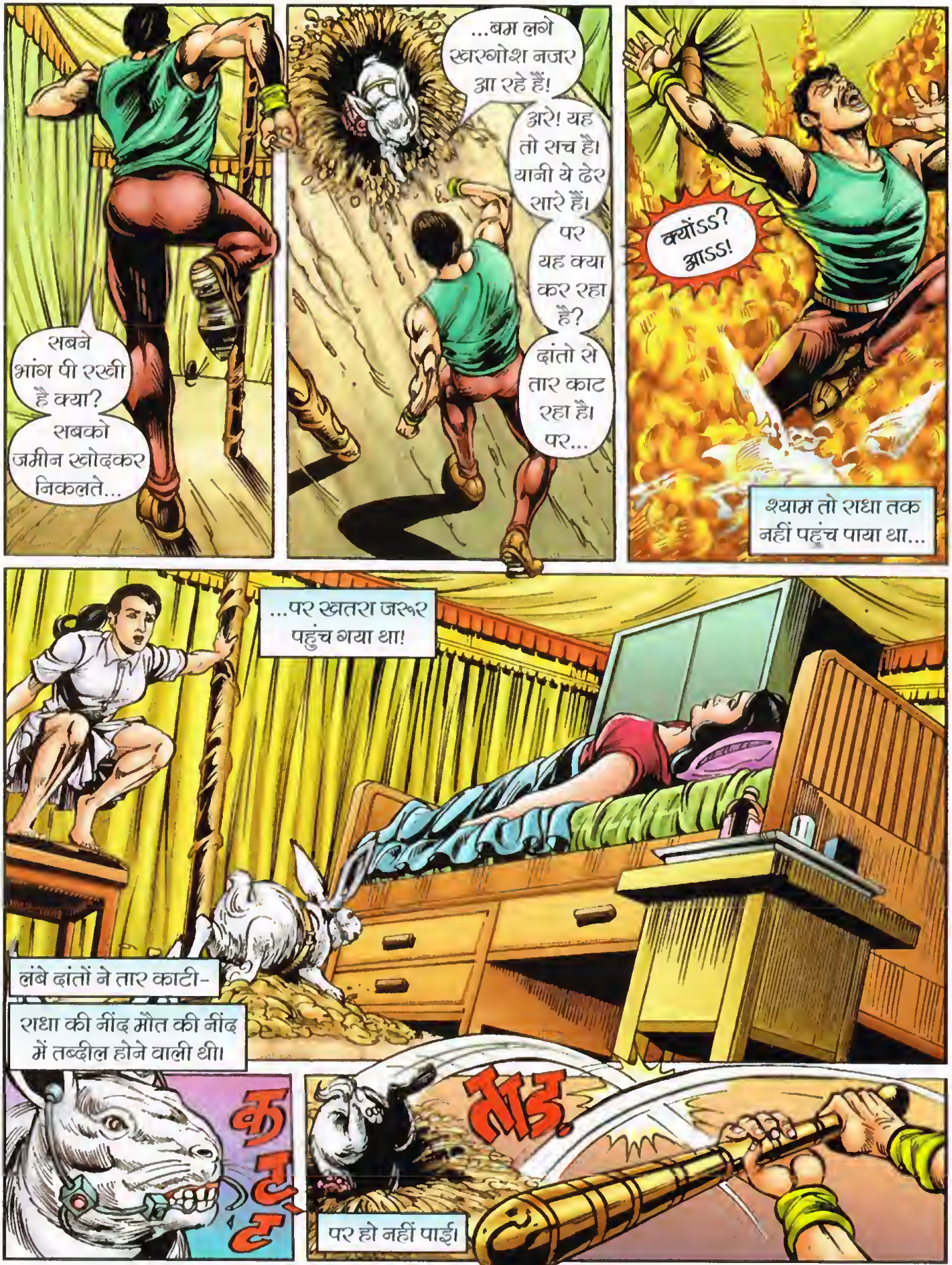

सबने भांग पी रखी है क्या?
सबको जमीन खोदकर निकलते...
...बम लगे खरगोश नजर आ रहे हैं!
अरे! यह तो सच है। यानी ये ढेर सारे हैं।
पर यह क्या कर रहा है?
दांतो से तार काट रहा है। पर...
क्योंऽऽ? आऽऽ!
श्याम तो राधा तक नहीं पहुंच पाया था...
...पर खतरा जरूर पहुंच गया था!
लंबे दांतों ने तार काटी-
राधा की नींद मौत की नींद में तब्दील होने वाली थी।
क ट ट
ताड़
पर हो नहीं पाई।

धड़ाम
वाऊ! गुड शॉट। मेरी तो... बोलती ही बंद हो गई थी...
...मिस्टर श्याम! मैडम राधा भी दवाई खाकर ऐसी सो रही हैं कि मेरे लाख बोलने पर भी नहीं उठीं।
पर...यह है क्या? धमाके क्यों हो रहे हैं? और आपको क्या हुआ?
धमाके में फंस गया था। यह दूसरा अटैक है। कोई खरगोशों को बम बांध कर भेज रहा है।
दर्जनों हैं ये पूरे सर्कस में जमीन खोद-कर निकल रहे हैं!
अब तक मुझे समझ में नहीं आ रहा था। कि इन्हें भेजने वाला कहां हो सकता है।
पर इस छेद से निकलता धुंआ देखकर समझ में आ गया।
हैं? कैसे?
हमारे पास 'स्मोक पंप' हैं। उनसे हम किसी भी ऐसी सुरंग-बिल के इधर से धुंआ छोड़ेंगे...
...तो धुंआ सुरंग के दूसरे छोर से निकलकर दिखेगा। और वहीं पर होगा इन खरगोशों को भेजने वाला!
मैं अभी जैकब को बताता हूं! तुम राधा का ध्यान रखना! यह बैस-बॉलबैट रखो...
"जमीन पर नजर रखना। जहां खुदती दिखे, वहीं खरगोश को निकलने से पहले ही ढेर कर देना।"

यह क्या?
NO
NTRY
यह.. मुझे बुलाना चाहती है!
यह मुझे कहां ले आई?
कहीं मैं कुछ गलत तो...
...नहीं समझ रही हूं? ओऽऽऽ! तुम यहां कैसे पहुंची?
तुम्हारा पीछा करके। मैं अभी-अभी दूसरी खिड़की से ध्रुव को देखकर आ रही हूं!
उसका तो मामला नाजुक है! तुम जानती तो होगी ही कि यह सब किसका किया धरा है।
मुझे कैसे पता होगा?
अपनी दोस्त नताशा से मिलकर जो आ रही हो तुम! और वहां पर एक मच्छर भी छोड़कर आई हो!.. है न?

यानी तुम मेरा काफी देर से पीछा कर रही हो। हां, मैं मिली थी नताशा से! मुझे उस औरत को ढूंढने के लिए सुराग चाहिए थे, जिसने मां का एक्सीडेंट कराया।
और नताशा से बात करके यह लगा कि वह ध्रुव की मां हो सकती है।
मुझे अंदाजा है। मैं खुद उस औरत से मिल चुकी हूं। मिल क्या, भिड़ चुकी हूं।
अगर वह ध्रुव की मां है तो गजब की फाईटर है। ध्रुव का D.N.A. उसी से आया होगा, मैच भी कर गया है दोनों का D.N.A.।
व्हाट! यानी... बात पक्की है। पर... तुम मुझसे क्या चाहती हो?
नताशा की मदद! मैं हंटर्स के अड्डे का पता लगा लूंगी पर घुस नहीं पाऊंगी। पूरी आर्मी चाहिए उसके लिए। और वह नताशा के पास है।
तुम मेरा साथ दो। मेरी बात नताशा तक पहुंचाओ, और बदले में मैं तुम्हें वह दूंगी जो तुम्हें चाहिए?
क्या?
ध्रुव की मां!
मैंने पता लगा लिया है। वह जैकब को नताशा के चंगुल से छुड़ाकर लाई है। यानी जैकब की दोस्त है वह यह तो साफ है।
पर...तुम उसका पता कैसे लगाओगी?
क्योंकि... जैकब मेरे पास है।

जैकब अंकल!! वे तुम्हारे पास कैसे आए?
लंबी कहानी है। ढूंढा तो उन्हें ध्रुव ने ही था।
पर ध्रुव अब शायद यह लड़ाई जारी न रख पाए। यह बीड़ा हमें ही उठाना है।
हमें?

मैं अपना तो समझी, पर इस सबमें तुम क्यों उलझी हुई हो?
ध्रुव की चिंता है मुझे!
वह तो ठीक है! फिर भी? अंदर की बात क्या है?

बचपन से तलाश है मुझे हंटर्स की। इन्हें ढूंढने के लिए जो बन पड़ा वह किया! अब इतने समय बाद दुबारा नाम सुना है तो उलझना तो था ही।
क्या है तुम्हारे और हंटर्स के बीच में?

"जो भी है, पर्सनल है। वेरी पर्सनल!"
ओफ्! अभी भी लाइफ का कोई साइन नहीं है। अब क्या करूं?

अरे! यह...बिजली कैसे चली गई! इमर्जेंसी जेनेरेटर भी कैसे बंद हो गया?

लो! आ गई बिजली! पर यह कहां से आई? संजीवनी!
संजीवनी

कोई इसे यहां छोड़ गया है! संजीवनी औषधि है। लिखा है इसे ध्रुव को खिला दो!
पर कहीं कोई उल्टा असर हो गया तो।
इसमें तो वैसे ही कोई हरकत नजर नहीं आ रही है। अब उल्टा असर कैसा?
ध्रुव की दवाई दे
पर.. कहीं ये इसके दुश्मनों की चाल हुई तो? काम पक्का करने के लिए!

"पर इसे यहां पर छोड़कर कौन गया है?"
श्वेता! वह देखो!
क्या?

वह... कैप! यह यहां कैसे? यह तो वही औरत है, जिसपर ध्रुव की मां होने का शक है।
ओ गॉड! इसे पकड़ना होगा!

"मैं अंदर से जाती हूं। तुम बाहर से आओ, ब्लैक कैट!"

रुक जाओ, टोपीधारी!
हाई! बिल्ली फिर रास्ता काट गई।
क्या करने आई थीं तुम यहां पर?
ध्रुव को मारने? या बचाने?
अब घटना चक्र ने अपनी गति पकड़ ली थी।
इसी वक्त वहां से दूर-
हां!.. क्या?.. असंभव! वह तो सिर्फ हकीम जी के पास मिलती है!!
अम्बे तू है जगदम्बे काली...
क्या हुआ?
ध्रुव के पास किसी ने संजीवनी औषधि पहुंचा दी है। हमारे कॉंटैक्ट का फोन था।
और मां से कहिए न कि घर में लाउडस्पीकर लगाकर भजन न किया करें काम-धंधा ठप्प हो जाता है।
वह कहती है कि इससे घर का कोना-कोना शुद्ध हो जाता है! तू जाकर समझा दे उसे।

छोड़िए! मां को कीर्तन के बीच में डिस्टर्ब किया तो पता है न क्या होगा? मुझे और झापड़ नहीं खाने!
वैसे भी, इतनी देर बाद संजीवनी भी ध्रुव को नहीं बचा सकती। मुझे उसकी चिंता नहीं है।
मुझे तो पहली चिंता यह है कि हमारा भेदिया कौन है। संजीवनी किसने पहुंचाई? और वह था कौन जो ध्रुव को बचाकर अस्पताल पहुंचाकर आया।
वह सबसे बड़ा खतरा है, ध्रुव नहीं।
"ध्रुव तो अब बस यादों में ही मिलेगा!"
नो मैन्स लैंड में बढ़ता ध्रुव अभी ज्यादा आगे नहीं बढ़ पाया था।
वह रहा। वहीं से खरगोश आ रहे हैं।
ओफ्! पर उसने धुंए को भी देख लिया है और हमें भी! अब वह भाग जाएगा! हम समय रहते उस तक नहीं पहुंच सकते!
ऐसे ही भाग जाएगा। हम भागने का समय देंगे तब न! डोरी खींचो, भाइयों!
मैं हवा में उड़कर घूंसा धरता हूं उसे।

गर्भस्थ शिशु की सांस, मां की सांस होती है। धड़कन, मां की धड़कन होती है और कान, मां के कान होते हैं।
मां सोती है तो भी मां के कानों से सुनता है शिशु।
इतने दिनों तक इंतजार किया मैंने। सोचा था इतने दिनों में एक पल का मौका तो मिलेगा।
पर सब मुझ पर कुत्ते की तरह नजर रखते थे।
मार तो देती मैं कब का, पर खुद बच नहीं पाती। इसीलिए 'खरहा' को बुलाना पड़ा
एक पल में मार देता खरहा तुझे 'बमगोश' से! पर ऐन वक्त पर वह मरा श्याम आ धमका!
अब और बमगोश तो आएंगे नहीं। और बाकी सभी खरहा को पकड़ने में व्यस्त हैं।
इसीलिए अब तुझे और तेरे बच्चे को मैं मारूंगी।
अब न तो, कोई तुझे बचाने आ सकता है और न ही तेरी नींद को मौत की नींद में बदलने से रोक सकता है।
एक वार और खेल खत्म! पर राख में छुपी होती है चिंगारी। और अपनी ही राख से फिर उठ खड़ा होता है...
फिनिक्स
Jean

क्रमशः